

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

वर्ष: -14 अंक: 251

डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 मूल्य: 3 ₹ पृष्ठ : 8 (4+4)

रायपुर में मुख्यमंत्री का घेराव 24 अगस्त को करेगी रायपुर कुच

पेज -8 पर

धरमजयगढ़, बुधवार 20 जुलाई 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in



पेज -3 पर

बेमेतरा पुलिस ने अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप एवं चेतना...



महापुरुषों के दिखाए पथ पर चल रही हमारी सरकार - मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में हम लोग निकले हैं। आज डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती के अवसर पर मैं कह रहा हूँ कि हमारी सरकार महापुरुषों के दिखाए पथ पर चल रही है और जनहित में काम कर रही है।

हमारी सरकार ने किसानों, श्रमिकों, गरीबों, गौपालकों के आर्थिक समर्थन के लिए काम किया है। हम आदिवासी संस्कृति को बचाने और सहेजने का काम



कर रहे हैं। हमारी नीतियों ने प्रदेशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। बस्तर के सुदूर क्षेत्रों में आज स्कूल और बैंक की मांग हो रही है, यही परिवर्तन है। यह बातें मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज एक निजी न्यूज चैनल के लॉन्चिंग अवसर पर कहीं। मुख्यमंत्री श्री बघेल स्वदेश न्यूज के लॉन्चिंग मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। कार्यक्रम में



शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव डॉ. विनय जायसवाल,

मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा विशेष रूप से मौजूद थे। पहुंचे थे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम,

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संसदीय सचिव डॉ. विनय जायसवाल, कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से हमर स्वदेश-हमर प्रदेश थीम पर स्वदेश न्यूज के प्रधान संपादक श्री सुभाष मिश्रा एवं समूह संपादक श्री अभय किशोर ने चर्चा की। इस दौरान सबसे पहले उनसे रोका-लेका अभियान की जरूरत पर सवाल हुआ। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मानसून आ गया है। अब खेतों में रोपाई-निंदाई के काम शुरू हो चुके हैं। रोका-लेका अभियान मवेशियों के खेतों में जाने से रोकने के लिए है, ताकि मवेशी फसल को नुकसान न पहुंचाए और किसानों की मेहनत बर्बाद न हो।

बच्चों के सही पोषण और देखरेख के लिए 'उमंग' का आयोजन संस्थाएं बच्चों का घर नहीं, समाज और प्रबुद्ध नागरिक बच्चों को पारिवारिक महौल देने आगे आए - मंत्री भेड़िया

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने आज रायपुर में पोषण देखरेख कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हितधारकों की भूमिका और समन्वय विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर श्रीमती भेंडिया ने पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) कर रहे दो पोषक परिवारों को भी सम्मानित किया। कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से किया गया। श्रीमती भेंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के लिये कई



कल्याणकारी कदम उठाये हैं। राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास है, इसमें वे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें विभिन्न कारणों से संस्थाओं में रहना पड़ रहा है। संस्थाएं बच्चों

का घर नहीं, वास्तव में किसी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास परिवार और समाज के बीच ही हो सकता है। इसे ध्यान में रखकर किशोरा न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 में गैर संस्थागत देखरेख का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर), संस्था के बाहर बच्चों की देखरेख का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में बढ़ते लगा कोरोना का संक्रमण



रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने सरकार को चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को प्रदेश में 595 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3043 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 546 रायपुर व 541 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने, वैक्सिनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक मंगलवार को 14 हजार 833 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 595 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 96 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 356 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 30 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में पाँचदिने की दर 3.58 से बढ़कर 4.01% हो गई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 47 लोगों की जान जा चुकी है।

पाकिस्तानी आतंकवादियों के लिए फंडिंग करने वाला गिरफ्तार

रायपुर में रहकर SIMI और MI के दहशतगर्दों को करता था रुपए ट्रांसफर

रायपुर। रायपुर की पुलिस ने भारत में रहकर आतंकवादियों के लिए काम करने वाले एक शख्स को पकड़ा है। मूलतः बिहार के जमुई का रहने वाला ये शातिर कुछ वक़्त पहले छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रहता था।

यहां इसके अन्य साथी पहले ही साल 2013 में गिरफ्तार हो चुके थे। पुलिस को इसी की तलाश थी। झारखंड के देवघर से ये भी पकड़ा गया। पकड़े गए शख्स का नाम श्रवण मंडल (41) है। श्रवण का मौसरा भाई धीरज रायपुर में रहकर फास्ट फूड का टेला चलाता था। साल 2013 में धीरज पाकिस्तानी कनेक्शन की वजह से



पकड़ा गया था। दरअसल वो अपने मौसरे भाई श्रवण का ही साथ दे रहा था, इसी वजह से वह गिरफ्तार हुआ। पाकिस्तान से डायरेक्ट लिंक रखते हुए फंडिंग का काम श्रवण किया करता था। जब पुलिस ने 2013 में धरपकड़ की थी तब श्रवण भाग गया था। रायपुर पुलिस को सबूत मिले हैं

कि श्रवण ने भारतीय लोगों के नाम पर ICICI बैंक में खाते खोलवाए। पाकिस्तान से आने वाली रकम को इन खातों के जरिए आतंकियों के काम करने वाले दूसरे लोगों का भेजा करता था। ये रकम आतंकी संगठन सिमी और ईडिशन मुजाहिदीन से जुड़े लोग इस्तेमाल करते थे।

ज्वेलरी शॉप से गहने पार करने वाले चोर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के भाठागांव चौक स्थित 'ओम ज्वेलर्स' से सोने के गहने लेकर फरार होने वाले दो आरोपियों को थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार अवधपुरी कालोनी भाठागांव निवासी जसराज सोनी पिता स्व. लालु राम सोनी ने थाना पुरानी बस्ती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी भाठागांव चौक स्थित ओम ज्वेलर्स दुकान में 16 जुलाई को उसकी अनुपस्थिति में उसकी पत्नी संगीता सोनी दुकान पर थी इसी दौरान करीब डेढ़ बजे एक अज्ञात व्यक्ति दुकान में आया और लडुकी की शादी की बात कहकर मंगल सुत्र दिखाने के लिए बोला।

स्कूल, आश्रम और छात्रावासों में बच्चों के शिक्षा की हो समुचित व्यवस्था: मंत्री अमरजीत भगत

रायपुर। खाद्य, संस्कृति मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री श्री अमरजीत भगत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि स्कूल, आश्रम और छात्रावासों में बच्चों के शिक्षा संबंधी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो, यदि छत, खिड़की की मरम्मत की



आवश्यकता हो तो तत्काल उसे पूर्ण करें। यहां पेयजल, शौचालय और स्वच्छता का भी ध्यान रखा जाए। बैठक में खाद्य मंत्री श्री भगत ने कहा कि राशन वितरण संबंधी कोई शिकायत मिलती है तो उस पर तत्काल कार्यवाही करें। गरीबों के हक का राशन उन्हें सही मात्रा और

चुनावी रणनीतियां बनाने जुटी भाजपा

गांव से लेकर शहर तक में फोकस, केदार बोले- जीत के लक्ष्य के साथ एक्शन मोड में काम करेंगे

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में भाजपा साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। भाजपा के कार्यकर्ता गांव से लेकर शहर तक लगातार काम कर रहे हैं। संगठन को मजबूती देने और जीत का लक्ष्य लिए कार्यकर्ता लगातार मैदान पर उतर रहे हैं।

अब इन्हीं कार्यों की भाजपा के नेताओं ने समीक्षा की है। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं भी



बैठक आयोजित की गई। जिसमें 2023 में होने वाले चुनाव की रणनीति बनाई गई। पूर्व मंत्री और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता केदार कश्यप ने कार्यकर्ताओं को एक्शन मोड में कार्य करने कहा है। बैठक में कहा गया कि संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को प्राथमिकता से पूर्ण करें और जनहित से जुड़े कार्यों को

गंभीरता से उठाएं। आगामी 21 जुलाई को भाजपा राष्ट्रपति पद की निर्मादवार द्रौपदी मुर्मू के निर्वाचित होने पर जीत का जश्न मनाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हर वर्ग, समाज के माध्यम से धन्यवाद और आभार प्रत्र भी प्रेषित किया जाएगा। केदार ने कहा कि आजादी के 75

वें महोत्सव में भाजपा 15 अगस्त को हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा कार्यक्रम के साथ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाएगी। पूर्व सांसद दिनेश कश्यप ने कहा कि, भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता एकजुटता से कार्य करें। देश में पहली बार आदिवासी वर्ग की महिला द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद पर सुशोभित होंगी। यह आदिवासी समाज सहित सर्व समाज के लिए गौरव का विषय है। भाजपा का हर एक कार्यकर्ता यह सुअवसर जश्न के रूप में मनाएगा। उन्होंने महा कि, कांग्रेस सरकार हर क्षेत्र में फेल है। जनता के बीच मौजूदा राज्य सरकार के झूठ और असफलताओं को लेकर कार्यकर्ता पत्र भी प्रेषित किया जाएगा। अब कड़ी मेहनत करने का समय है।

कांग्रेस विधायक के खिलाफ नक्सलियों ने बांधा बैनर

अनूप नाग को बताया खदान मालिकों का एजेंट, पूर्व भी फेंके; कार्यकर्ताओं के बहिष्कार की धमकी

कांकर। छत्तीसगढ़ के कांकर में अंतगढ़ से कांग्रेस विधायक अनूप नाग का नक्सलियों ने विरोध करते हुए बैनर-पोस्टर लगाए हैं। मेन रोड पर फेंके गए पर्चों में नक्सलियों ने विधायक को खदान मालिकों का एजेंट बताया है। साथ ही गांव में न खुसने देने की चेतावनी दी है। नक्सलियों ने विधायक के कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की भी धमकी दी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने बैनर-पोस्टर जवाब कर लिए हैं। चार दिन पहले भी नक्सलियों ने विरोध में बैनर लगाए थे।

नक्सलियों ने परतापुर मार्ग और पीवी 43 के पास बैनर बांधे हुए थे। सुबह ग्रामीणों ने बैनर देखा तो पुलिस को सूचना दी। परबार्जर-कापसी मुख्य सड़क पर पर्चे भी फेंके हुए मिले हैं। इस पर्चे और बैनर में लिखा है कि अनूप नाग आदिवासी विरोधी हैं। उससे दूर रहें, उसके कार्यक्रमों से दूर रहें।

श्रद्धांजलि...

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें दी श्रद्धांजलि

डॉ. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को आगे बढ़ाने वाले अग्रणी नेता थे- मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें दी श्रद्धांजलि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि डॉ. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने और छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाले अग्रणी नेता थे।

छत्तीसगढ़ के खान पान, रहन-सहन, बोली, भाषा को ऊपर उठाने में हमारे जिन महापुरुषों ने योगदान



दिया, उनमें डॉ. खूबचंद बघेल सदैव अग्रणी रहे। उन्होंने जीवनभर किसानों, आदिवासियों के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर में आयोजित डॉ. खूबचंद बघेल जयंती समारोह को सम्बोधित कर

रहे थे। जयंती समारोह का आयोजन फूल चौक स्थित व्यावसायिक परिसर में किया गया। उन्होंने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, महापौर रायपुर श्री एजाज देबर,

छत्तीसगढ़ मन्वा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष श्री चोवारा वरमा, पूर्व राज्यसभा सदस्य श्रीमती छाया वर्मा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे सपूत थे।

डॉ. बघेल की प्रतिमा पर भी किया माल्यार्पण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर स्थित डॉ. खूबचंद बघेल व्यावसायिक परिसर पहुंचकर डॉ. बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा, डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नद्रष्टा थे। उन्होंने एक गंभीर चिंतक, विचारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सेवक, समाज सुधारक, लेखक के साथ ही कलाकार की भूमिका निभाई।

बाढ़ प्रभावितों के लिए खुद राशन लेकर पहुंचे पूर्व मंत्री

बीजापुर में बाढ़ के चलते लोगों ने पहाड़ पर जमाया है डेरा, महेश गागड़ा ने मदद का भरोसा दिलाया

बीजापुर। बीजापुर जिले के तारलागुड़ा इलाके में आई बाढ़ के बाद प्रभावितों तक मदद के लिए हाथ बढ़ाने लगे हैं। मंगलवार को पूर्व मंत्री और भाजपा नेता महेश गागड़ा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बाढ़ग्रस्त इलाकों के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित कांडला-अटूकपल्ली गांव के ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी मदद करने राशन, कपड़े, बर्तन जैसी जरूरत की चीजें बांटी। ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री से और भी कई तरह की मदद करने की गुहार भी लगाई है। लगातार हो रही बारिश की वजह से कांडला-अटूकपल्ली गांव पूरी तरह से जलमग्न हो गया है।



गांव वालों ने पहाड़ियों पर पहुंचकर किसी तरह अपनी जान बचाई। हालांकि, अब बाढ़ का पानी कम हो रहा है, लेकिन दोबारा बाढ़ की दहशत के चलते ग्रामीण अब गांव लौटना नहीं चाहते। पहाड़ियों पर आसरा लिए ग्रामीणों ने तारलागुड़ा मुख्य सड़क

किनारे उन्हें जमीन मुहैया कराने की मांग की है। लेकिन, वन विभाग ने ग्रामीणों को जमीन देने से इंकार कर दिया है। यह बातें आज पूर्व मंत्री के समक्ष ग्रामीणों ने कही। इस पर पूर्व मंत्री ने अपने स्तर पर पहल करने का भरोसा दिया है।

जनता के सवालों पर बहस कब, सांसदों को दलगत राजनीति से ऊपर उठना होगा

रोमानियाई-फ्रांसीसी विचारक एवं नाटककार यूजीन इओनेस्को ने कहा था कि जवाब नहीं, बल्कि सवाल हमारे मन को आलोकित करता है। हालांकि ज्ञानोदय का वादा इस बात पर निर्भर करता है कि प्रश्न पूछे जाते हैं या नहीं। सांसद का मानसून सत्र प्रारंभ हो चुका है। सैद्धांतिक रूप से सांसद-सत्र के दौरान सांसद सरकार का ध्यान उन लोगों की चिंताओं की ओर दिलाते हैं, जो उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनते हैं।



लेकिन व्यावहारिक तौर पर सांसदों का ध्यान ज्यादातर दलगत राजनीति पर रहता है और अपने मतदाताओं को परेशान करने वाली चिंताओं पर उनका ध्यान कम रहता है। करदाताओं के करोड़ों रुपये खर्च कर चलने वाली संसदीय प्रक्रिया तेजी से कटु बयानबाजी के अवसर में तब्दील हो गई है। क्या मौजूदा सत्र में सांसद जनता के सवालों पर कुछ समय खर्च करेंगे? जनता को परेशान करने वाले और उनके जीवन एवं जीविका को प्रभावित करने वाले मुद्दों की एक लंबी सूची है। यहाँ उनमें से कुछ मुद्दों का जिक्र किया जा रहा है, जिन्हें सांसद शासन की स्थिति की वास्तविक तस्वीर जानने के लिए उठा सकते हैं। मानसून अपने साथ पूर्वानुमानित तस्वीरें लेकर आया है। असम से लेकर गुजरात और उत्तराखंड से लेकर तमिलनाडु तक, राज्य दर राज्य बाढ़ ने शहरों



मानसून सत्र

सांसदों को एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋण परिदृश्य पर एक श्वेत पत्र की मांग करनी चाहिए। शुरू में वे इस पर सरकार से जवाब मांग सकते हैं कि औपचारिक संस्थागत ऋण तक कितने पंजीकृत एमएसएमई की पहुंच है।

और कस्बों में तबाही मचाई है। उल्लेखनीय है कि इनमें से कई शहर स्मार्ट शहरों की सूची में हैं। पुणे 50 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश नहीं झेल सका। गौरवतब है कि अक्सर शासन की विफलताओं

को जलवायु परिवर्तन के व्यापक बहाने के तहत दफन कर दिया जाता है और अंधतन्त्र कहर उसकी भीमंगता बताई जाती है। स्मार्ट सिटी की कहानी अपने आप में व्यापक अध्ययन का विषय है।

फिलहाल सांसद पूछ सकते हैं कि इस पर कितनी राशि खर्च की गई है और क्या इस कार्यक्रम में आपदा से निपटने के लिए कोई खाका या आवंटन है। समय आ गया है कि सांसद सरकार को शहरों के अध्ययन का सुझाव दें, ताकि कस्बों, शहरों और राज्यों में पानी की कमी और अधिकता को संवेदनशीलता का मानचित्रण किया जा सके! महामारी ने जीवन, जीविका और बच्चों की शिक्षा को काफी नुकसान पहुंचाया है। 15 लाख से ज्यादा स्कूलों के 24.7 करोड़ छात्र इससे प्रभावित हुए, क्योंकि स्कूल 18 महीने से ज्यादा समय तक बंद रहे। एएसईआर (असर) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, छह से 14 वर्ष के 4.6 फीसदी बच्चे स्कूलों से बाहर पाए गए। यह सच है कि शिक्षा राज्य का विषय है, लेकिन बच्चों के स्कूल छोड़ने के निहितार्थ राष्ट्रीय हैं।

आदर्श रूप में यूडीआईएसई (भारत में स्कूलों के बारे में एक डाटा बेस) के पास इसका उत्तर होना चाहिए, लेकिन आज के डिजिटल शासन के युग में इसकी नवीनतम रिपोर्ट वर्ष 2020-21 की ही है। सांसदों को घोषित कार्यक्रम के आंकड़े और आकलन के बारे में सवाल पूछना चाहिए। कितने बच्चे स्कूल से बाहर हैं? शिक्षकों के खाली पदों का स्तर क्या है? ऑनलाइन पढ़ाई के लिए इंटरनेट एवं उपकरण तक पहुंच के बारे में क्या विचार है? सुधार के किसी भी मूल्यांकन के लिए आधार की जरूरत होती है। इन पंक्तियों के लेखक ने पहले भी इस कॉलम में बेरोजगारी और खाली पदों के विरोधाभास को उजागर किया था। मोदी सरकार ने हाल ही में सरकारी विभागों में 18 महीने में दस लाख पदों को भरने की घोषणा की है। यह स्वगत योग्य

विचार है, लेकिन राज्यों में खाली पदों के बारे में क्या योजना है? बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में स्वास्थ्य, शिक्षा और पुलिस विभागों में बड़ी संख्या में रिक्त पद हैं। केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या (8.5 लाख से ज्यादा) ज्ञात है, लेकिन राज्यों में खाली पदों की जानकारी नहीं है। सांसदों को राज्य स्तर पर खाली पदों की जानकारी मांगनी चाहिए और उन्हें भरने के लिए दबाव बनाना चाहिए। सांसद राज्य सरकारों को रियायत क्यों दे रहे हैं? एक के बाद एक सामने आने वाली घटनाओं ने राजनीतिक अर्थव्यवस्था की भ्रामक तस्वीरों को और बढ़ा दिया है। भारत ने हमेशा रोजगार को एक सुसंगत तस्वीर पेश करने के लिए संघर्ष किया है, जबकि इसने 1950 के दशक में आंकड़ा संग्रह करने और उसके विश्लेषण का

बोझ उठाया था। समय-समय पर किए जाने वाले श्रमबल सर्वेक्षण उत्तर से ज्यादा प्रश्न सामने रखते हैं। सरकारी खर्च से मानव-धन भर्ती/छंटनी, ईपीएफओ नामांकन, ई-श्रम प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण और मनरेगा के रिकॉर्ड पेरल भुगतान पर आंकड़े हैं, पर सुगम संयोजन नहीं है। निश्चित रूप से इन्हें फिल्टर करके एक पूर्ण नहीं, तो आंशिक तस्वीर प्राप्त की जा सकती है। रोजगार पर एक विश्वसनीय त्रैमासिक रिपोर्ट के लिए सांसदों को संसद और स्थायी समितियों में अभियान चलाना चाहिए। सुक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्यम (एमएसएमई) अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं-जो न सिर्फ रोजगार पैदा करते हैं, बल्कि उत्पादन एवं निर्यात में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं।

शंकर अय्यर

संपादकीय

श्रीलंका अब किधर?

नई सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती देश में परस्पर विरोधी नजरिए को वकालत कर रही ताकतों के बीच न्यूनतम सहमति बनाने की होगी। ऐसा वो नहीं कर पाई, तो श्रीलंका भ्रंश में फंसा रहेगा। श्रीलंका में जन विद्रोह का नजारा दिखा। तीन महीने से भी ज्यादा समय से आंदोलनकारी राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे का इस्तीफा मांग रहे थे। लेकिन वे ना तो गहराते आर्थिक संकट से लोगों को राहत दिलावा पाए और ना ही पद छोड़ने को राजी हुए, तो आंदोलनकारियों ने क्रांतिकारी तरीका अपनाया। बहरहाल, अब जबकि देश की सत्ता एक नई सर्वदलीय सरकार संभालने जा रही है, तो सबसे अहम सवाल यही है कि देश आगे किस रास्ते पर जाएगा? स्पष्टतः श्रीलंका में आंदोलनकारियों के बीच भी इस सवाल पर गहरे मतभेद हैं। ये बात उनके बयानों से जाहिर हुई है। इस दौरान परस्पर विरोधी बातें कही गई हैं। साफ है कि इस समय देश में मौजूद परस्पर विरोधी दृष्टिकोण मैजुद हैं। इसलिए अगली सरकार के लिए आर्थिक कार्यक्रम तय करना आसान नहीं होगा। एक राय है कि देश में तुरंत राजनीतिक स्थिरता बहाल कर सख्त राजकोषीय उपाय लागू किए जाने चाहिए। नई सरकार को तुरंत आर्थिक सुधारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज मिलने का रास्ता साफ हो सके। यह समाज के अपेक्षाकृत सुविधा-संपन्न तबकों की राय है। जबकि आंदोलनकारियों के एक अन्य समूह ने खुला पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि नई सरकार आईएमएफ की शर्तों को मान कर जनता की मुश्किलें ना बढ़ाए।

आर्थिक संकट में उलझता पाकिस्तान, आईएमएफ और चीन मदद के लिए तैयार

वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को छह अरब डॉलर की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तैयार हो गया है। यह अहम इंसालिफ है, क्योंकि चीन ने कई अरब डॉलर के अपने बकायों के मद्देनजर पाकिस्तान को और मदद देने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान की बढहाली की ओर ध्यान तब गया था, जब वहां के योजना मंत्री एहसान इकबाल ने पाकिस्तानियों को रोजाना एक-दो कप कम चाय पीने की सलाह दी। वर्ष 2021-22 में पाकिस्तानी 8,388 करोड़ रुपये की चाय पी गए थे।

पाकिस्तान को शहबाज शरीफ सरकार ने हाल ही में गरीबी उन्मूलन के लिए 15 करोड़ रुपये तक सालाना कमाने वाली कंपनियों पर एक फीसदी, 20 करोड़ रुपये तक कमाने वाली पर दो फीसदी, 25 करोड़ रुपये तक कमाने वाली पर तीन फीसदी तथा 30 करोड़ रुपये तक कमाने वाली कंपनियों पर चार फीसदी कर लगाने का फैसला किया है। रेंटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था और संसाधन जुटाने को उसकी नाकामी के कारण उसकी रेटिंग को स्थिर से नकारात्मक कर दिया है। मौजूदा आर्थिक संकट से उसे आईएमएफ ही बचा सकता है, जिसकी कटोरे शर्तों को स्वीकार करना पाकिस्तान की मजबूरी है। पाकिस्तान को आईएमएफ से मदद हासिल करने में अमेरिका ने परोक्ष रूप से मदद की है। चीन के और मदद देने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान की स्थिति



अर्थव्यवस्था

बताया जाता है कि भारत ने इस आधार पर पाकिस्तान को प्रवेश देने से इनकार किया कि उसकी मौजूदगी अप्रासंगिक होगी, क्योंकि वह खासतौर से आर्थिक सहयोग की दिशा में कुछ नहीं कर सकता।

श्रीलंका जैसी हो सकती थी। कर्ज में डूबे श्रीलंका की बढहाली आज दुनिया के सामने है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन एशिया में चीन का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को अपने साथ रखने की कोशिश कर रहे हैं।

नियंत्रित करना चाहते हैं, जिसने अपनी डेबिट डिफ्लोमेसी (कर्ज कूटनीति) के जरिये अनेक एशियाई देशों को फंस रखा है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय ऋण देने वाली एजेंसियों पर ही निर्भर रहा है। उसके पांच दशक का इतिहास देखें, तो उसने लोगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और बजटीय जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए 1972 में 8.4 करोड़ डॉलर, 1973 में 7.5 करोड़ डॉलर और 1974 में एक बार फिर 7.5 करोड़ डॉलर के कर्ज लिए थे। 1977 में आपात आधार पर उसने आठ करोड़ डॉलर और 1980 में 3.49 करोड़ डॉलर के कर्ज लिए। उस देश की वित्तीय हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है, जिसके वित्त मंत्री अपने लोगों को चाय कम पीने की सलाह दे रहे हैं। उनकी सलाह पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा, तो अब चाय भी छोड़ दें...कल कहेंगे सांस भी न लो

आक्सिजन खत्म हो जाएगी! अनेक लोगों ने इसे अपने बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करार दिया। पाकिस्तान के संघीय बजट के दस्तावेज दिखाते हैं कि उसने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1,300 करोड़ रुपये (छह करोड़ डॉलर) मूल्य की अधिक चाय आयात की। पाकिस्तान को पिछले महीने के आखिरी हफ्ते में हुई ब्रिक्स की वर्युअल बैठक में उस समय तराड़ा झटका लगा, जब भारत की आपत्ति के कारण चीन ने उसे वैश्विक विकास संबंधी एक बैठक में हिस्सा नहीं लेने दिया। बताया जाता है कि भारत ने इस आधार पर पाकिस्तान को प्रवेश देने से इनकार किया कि उसकी मौजूदगी अप्रासंगिक होगी, क्योंकि वह खासतौर से आर्थिक सहयोग की दिशा में कुछ नहीं कर सकता।

केएस तोमर

मिला जुला

आदिवासी नारी शक्ति को समर्पित एक दिवसीय समारोह का आयोजन हुआ संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़-जगदलपुर।

आदिवासी नारी शक्ति को समर्पित एक दिवसीय समारोह का आयोजन हुआ संपन्न आदिवासी युवा छात्र संगठन महिला प्रभाग जिला बस्तर के द्वारा किया गया। आदिवासी नारियों पर जो रहे शोषण, अत्याचार पर जन जागरूकता लेने के लिए इस आयोजन को किया गया। जिसमें मौजूद अतिथियों ने पुरखों का सेवा अर्जी करते हुए कार्यक्रम को शुरू किया गया जिस पर आए हुए अतिथियों का पारंपरिक महुआ पूत से माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जिला कोषाध्यक्ष ने मंच संचालन करते हुए आदिवासी युवा छात्र संगठन महिला प्रभाग के संबन्ध में बताया। इस दौरान मातृ शक्ति सब इंस्पेक्टर तिरुमाय धुवश्री नेरटी ने महिलाओं को एसटी.एससी एक्ट, पांचवी अनुसूची क्षेत्र और महिलाओं के अधिकारों, धरेलू हिंसा, महिलाओं का शोषण, मोबाइल अपराध, आदिवासी अंचलों में बाहरी लोगों का प्रवेश और उनके द्वारा आदिवासियों का शोषण किस तरह से किया जा रहा की जानकारी दी गई इस की जानकारी देते हुए पुलिस के द्वारा जारी एप की जानकारी दिया



तिरुमाय डॉ. बबीता कवारी

हॉस्पिटल में अंदरूनी क्षेत्र की आदिवासी महिलाओं के केश अधिक आते हैं जिनको बाहरी लोगों के द्वारा बहला.फु.सलाकर उनके साथ महीनों तक शोषण किया जाता है गलत फ यवदा उठया जाता है जिसकी वजह से वह महिलाएं में मानसिक विकास इतना कमजोर हो जाता है कि उनका भविष्य डगमगा जाता है वह मानसिक रोग से पीड़ित हो जाती हैं जिनकी लिव लाइफ डिस्टर्ब हो जाती है और आदिवासी महिलाओं को कम उम्र में शादी नहीं करनी की सलाह दी गई। जिसमें उनकी प्रेमनेसी में एनीमिया की शिकायत पाई जाती है।

तिरुमाय डॉ. कल्पना नायक

महिलाओं में जागरूकता की कमी के साथ साथ आत्मविश्वास की कमी भी है कोटा और

रिजर्वेशन से उनके सिलेक्शन होने की बात उनको कहीं ना कहीं डिमोटिवेट और अपने लक्ष्य से भटकने का कारण है महिलाओं को समिदा होने वाली बात नहीं बल्कि गर्व करने वाली बात है के हम आदिवासी है और महिलाओं को मेरी यह सलाह है कि शिक्षित बनो, जागरूक रहें, संगठित रहें।

तिरुमाय डॉक्टर दीपिका धुव

बस्तर और सरगुजा जनजाति बाहुल्य संभागा है यह के लोग शिक्षा से पिछड़ा हुए है खुद में आत्मविश्वास बढ़ाने की आवश्यकता है युवावस्था में जब एक महिला शिक्षित होती है तो एक परिवार और एक समाज शिक्षित होता है इसलिए नॉलेज गेन करें सोशल साइड का सदुपयोग करें, संघर्ष करें, शासकीय सुविधाओं की जानकारी रखने की आवश्यकता है परिवर्तन ही जीवन का आधार है।

तिरुमाय मालिनी



सुब्रमण्यम

महिलाएं अपनी स्वतंत्र खोएं तो दूसरे पर निर्भर होंगे। मैं आदिवासियों के जीवन शैली से प्रभावित हूँ आदिवासियों में भ्रूण हत्या नहीं होती आदिवासियों में लड़का लड़कियों में भेद भाव नहीं किया जाता। बस्तर की आदिवासी महिलाओ को हल चलाते देखा है वो किसी पे निर्भर नहीं है वे स्वतंत्र है। आदिवासी है सादगी का फयदा बाहरी उठते है लड़कियों के जन्म से ही निर्णय कोई हो लेता है जब अंत ने वो आत्महत्या कर लेती है तो भी उसे ही दोसी ठहराया जाता है ये मानव अधिकार का उलंघन है। जब लड़का या लड़की जन्म लेती है तब से वह मानव अधिकार से जुड़ जाती है और उनका ही कर्तव्य है मानव अधिकार का संरक्षण करे।

तिरुमाय योगिया पाथरे

बस्तर में जमीन से संबंधित समस्या अधिक है आदिवासी से गैर आदिवासी विवाह के झंझसे में

कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारी.कर्मचारियों ने लगवाया कोविड का बूस्टर डोज

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्ट्रेट रितेश अग्रवाल के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय जशपुर में कोविड वैक्सीन का बूस्टर डोज लगाने शिवािर का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने अपना जागरूकता का परिचय देते हुए बूस्टर डोज को प्राथमिकता के साथ लगवाया। जिसमें जनपद सीईओ जशपुर प्रेमसिंह मरकाम ने बूस्टर लगावते हुए कहा कि सभी को कोरोना से बचाव के लिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए टीका अनिवार्य रूप से लगवाना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिवािर के माध्यम से जिला



कार्यालय में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को बूस्टर डोज लगाया गया। जिले में कोरोना से बचाव के लिए 18 वर्ष से अधिक के सभी लोगों को आज से निःशुल्क प्रिकॉशन, बूस्टर डोज लगाया जा रहा है। इस आयु वर्ग के ऐसे लोग जिन्हें कोविड वैक्सीन का दूसरा टीका लगाए 6 माह या 26 सप्ताह

पूर्ण हो चुके हैं। उन्हें कोविड टीकाकरण केन्द्रों पर प्रिकॉशन, बूस्टर डोज लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर यह विशेष टीकाकरण अभियान 15 जुलाई से 30 सितंबर 2022 तक 75 दिनों तक चलेगा। इसके लिए सभी पात्र व्यक्ति 14 जुलाई से कोविन एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध हैं। पहले और दूसरे डोज के रूप में जो टीका लगाया गया है। प्रिकॉशन, बूस्टर डोज के रूप में भी वही टीका लगाया जाएगा। इस हेतु जिले में विस्तृत रूप से प्रचार-प्रसार कर लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नकवी बनाए गए बंगाल के राज्यपाल?

बीजेपी सांसद ने बधाई देकर डिलीट किया ट्वीट

नई दिल्ली। मुखार अब्बास नकवी को क्या पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बना दिया गया है? किसी आधिकारिक ऐलान से पहले बीजेपी सांसद ने इसको लेकर ट्वीट किया, उन्होंने मुखार अब्बास नकवी को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनने पर पहले तो बधाई दे डाली, फिर कुछ ही देर में इस ट्वीट को डिलीट भी कर दिया। बता दें कि बंगाल के मौजूदा राज्यपाल जगदीप धनखड़ को ND ने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है।



ऐसे में उनकी पोस्ट खाली होने के बाद किसी को उनकी जगह लेनी है, ऐसे में मुखार अब्बास नकवी का नाम सबसे आगे है। इससे पहले राष्ट्रपति की रस में भी नकवी का नाम था, लेकिन NDA ने दौपटी मुर्मु को उम्मीदवार बनाया था, बीजेपी सांसद हंसराज हंस ने लिखा था, 'केंद्र सरकार द्वारा मुखार अब्बास नकवी को बंगाल का नया राज्यपाल बनाए जाने पर बधाई', कुछ ही वक बाद हंसराज हंस ने इस ट्वीट को डिलीट कर दिया।

भाजपा के सनी देओल सहित 8 सांसदों ने नहीं डाल पाया वोट

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और फिल्म अभिनेता सनी देओल और केंद्रीय मंत्री संजय धोत्रे उन लोगों में शुमार हैं जिन्होंने सोमवार को राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं किया, बता दें कि सनी देओल इलाज के लिए विदेश में हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री धोत्रे

आईसीयू में भर्ती हैं, भाजपा और शिवसेना के दो-दो सांसद और बहुजन समाज पार्टी (बसपा), कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के एक-एक सांसद भी उन लोगों में शामिल थे,



मतदान करने नहीं आ सके। शिवसेना नेता गजानन कौर्तिकर और हेमंत गोडसे ने भी मतदान नहीं किया, ए.आई.एम.आई.एम. ने ता इम्तिाज जलील भी उन आठ लोगों में शामिल थे जिन्होंने मत नहीं दिया, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण जैसे कई वरिष्ठ नेता पीपीई किट पहनकर

मतदान केंद्र पहुंचे, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान केंद्र पहुंचे, राष्ट्रपति चुनाव में मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मतपेटियों राष्ट्रीय राजधानी आनी शुरू हो गयी हैं।

कार्ययोजना बनाकर पात्र लोगों को बूस्टर डोज लगाएं- कलेक्टर

गौठानों में नियमित गोबर खरीदी और वर्मी उत्पादन सुनिश्चित करें

जोहार छत्तीसगढ़- महासमुंद।

कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने समय-सिमा की बैठक में वैक्सिनेशन मोबिलाइजेशन में पहले की अपेक्षाकृत धीमी गति में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कोविड-19 की बूस्टर डोज कार्ययोजना बनाकर निर्धारित अवधि में जिले के सभी पात्र लोगों को बूस्टर डोज लगे यह सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि आप सभी ने पहले इस क्षेत्र में काफी अच्छा काम किया है। आप लोगों के पास लोगों को वैक्सिन लगाए जाने और उसमें उसमें शत प्रतिशत लक्ष्य पाने का पूरा अनुभव है। आप उसी अनुभव का प्रयोग करते हुए लोगों को बूस्टर डोज लगावाएं। इसके लिए पूरी कार्ययोजना बना ली जाए। एक दिन निश्चित तरीका तय कर पूरे जिले में एक लाख बूस्टर डोज लगाने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने



कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत वयस्क आबादी ;18 से 59 वर्ष के मुक्त प्रीकारेशन डोज विगत 15 जुलाई से 75 दिन यानि 30 सितम्बर तक निःशुल्क लगाया जाएगा। बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्टर के सहायक एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एसआर बंजारे ने सरपंच, पंच, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, महिला स्व सहायता

समूह की महिलाएं जो रेडी टूईट से जुड़ी महिलाएं राशन दुकान चलाने वाली महिलाएं खेल युवा मंडली आदि से भी सक्रिय सहयोग लिया जाए। टीका शिविरों में ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को भी भेजा जाए। जो जहां काम हो उसके निराकरण पर प्रगति लाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एसआर बंजारे ने वैक्सिनेशन संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जेल में बंदियों और स्टाफ को भी डोज लगाया

गई है। स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर क्षीरसागर ने कुछ गौठानों में गोबर खरीदी और वर्मी उत्पादन चिंता जाहिर की। उन्होंने पशुपालकों से गोबर खरीदी और वर्मी उत्पादन नियमित तौर पर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गौठानों में संचालित गतिविधियों और स्व सहायता समूह महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद सी-मार्ट में भेजने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने कहा कि सुराजी गांव

योजना शासन स्तर से लगातार समीक्षा होती रहती है। उन्होंने कहा कि हरेली पर्व 28 जुलाई से जिले के दो स्वावलंबी गौठानों बड़गांव एवं बम्हनी में गौमूत्र की खरीदी की जाएगी। इसके लिए सभी तैयारी समय रहते पूरी कर ली जाए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस आलोक ने जिले की गौठानों में 7 जुलाई से अभी तक गोबर खरीदी और वर्मी उत्पादन की जानकारी दी।

उन्होंने जनपद सीईओ से कहा कि प्रति गौठानों में कम से कम 2 क्विंटल गोबर की खरीदी की जाए। ताकि 15 दिन में गोबर खरीदी 30 क्विंटल दिखाई दे। इसी प्रकार वर्मी उत्पादन भी होना चाहिए। उन्होंने नगरीय निकायों के गौठानों में गोबर खरीदी पर प्रगति लाने को कहा। कलेक्टर क्षीरसागर ने महानदी के तट एवं अन्य नदी के तट के किनारे बसे गांव में सतकता बरतने के निर्देश दिए। ताकि बांधों से छोड़े गए पानी के चलते जनहानि और धनहानि को रोका

जा सके। उन्होंने महासमुंद के चलते भारी बारिश संभावित अतिवृष्टि नदीएं नालों के उपन तथा बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर लोगों की जान की सुरक्षा के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने एवं तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने खाद,बोंज वितरण की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने बारी-बारी से सभी विभागों के लंबित प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्य को समय में पूरा करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर संविदा ओपी कोसरिया, डॉ. नेहा कपूर, एसडीएम भागवत जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। जिले के विकासखंड के एसडीएम, तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, खंड चिकित्सा अधिकारी आदि वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़े।

एक नजर

जनचौपाल के दौरान सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

जनचौपाल में मिले 59 आवेदन

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।



संयुक्त जिला कार्यालय कलेक्टरों परिसर में आयोजित आम जनता से साप्ताहिक भेंट मुलाकात कार्यक्रम जनचौपाल के दौरान कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ लीना मण्डवी एवं अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी ने जिले के विभिन्न गांवों से आये आम नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साप्ताहिक जनचौपाल के दौरान बेमेतरा जिले के विभिन्न गांवों से आये आम नागरिकों ने विभिन्न विभागों से संबंधित 59 आवेदन प्रस्तुत किये। प्राप्त आवेदनों में समूह की ऋण माफी, शासकीय भूमि में अतिक्रमण हटवाने, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा को राशि भुगतान कराये जाने, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि न्याय योजनांतर्गत पंजीयन कराने, भूमि सीमांकन करवाने, सहायता राशि प्रदान करने, नया राशन कार्ड बनाने, नाम जोड़ने, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिला पंचायत सीईओ एवं अपर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार इसका निराकरण करने के निर्देश दिए। यदि तकनीकी कारणों से निराकरण नहीं हो पा रहा हो तो इसकी सूचना संबंधित आवेदक को भी दी जाये। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेमेतरा युगल किशोर उर्वशा, बेरला संदीप ठाकुर, नवागढ़ प्रवीण तिवारी, डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव म्हस्के, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी, उप संचालक समाज कल्याण अजय कुमार गिंडाम, उप संचालक कृषि एमडी मानकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के युवाओं को पात्रतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ

पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर परिवार के शिक्षित युवाओं से 25 जुलाई 2022 तक आवेदन आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा विधानसभा क्षेत्र जशपुर में भ्रमण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के शिक्षित युवाओं को उनकी पात्रतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती किए जाने की घोषणा की गई है। कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा नियुक्ति की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करते हुए जिले के सभी जनपद पंचायतों को निर्देश जारी कर विशेष पिछड़ी जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर परिवार के शिक्षित युवाओं से 25 जुलाई 2022 तक आवेदन प्राप्त करने को कहा है। अपर कलेक्टर ने बताया कि जिले में निवासत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर से प्राप्त आवेदनों की मेरिट सूची तैयार कर पात्रतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर, उन्हें अनुसूचित जनजाति के आरक्षित पदों में से 20 प्रतिशत पदों पर भर्ती प्रक्रिया का अनुसरण किये बिना नियुक्ति प्रदान की जाएगी। इस संबंध में पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर परिवार के शिक्षित युवा अपने क्षेत्र के जनपद कार्यालय में अथवा सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास जशपुर में अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य योग्यताओं से संबंधित दस्तावेज की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयवाधि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

कोटेश्वर महादेव के दर्शन के लिए पहुंचे भाजपाई

नगरी। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर कोटेश्वर महादेव पहुंच कर राष्ट्रीय मंत्री भाजपा किसान मोर्चा एवं पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह एवं पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने पूजा अर्चना एवं दर्शन किए। इस दौरान भाजपा के जिला मंत्री राजेंद्र गोलख, भाजपा महिला मोर्चा के वरिष्ठ प्रतिमा देवांगन, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ रामेश्वरी साहू, जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, महिला मोर्चा के जिला महामंत्री हेमलता यादव, महिला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुलोचना साहू, मंडल मंत्री चेलेश्वरी साहू, पार्षद विनीता कोटारी, मुरारी यदु सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को समय सीमा में आवेदनों को निराकृत करने के दिष्टे निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में अपर कलेक्टर आईएल ठाकुर ने जनदर्शन के माध्यम से ग्रामीण जनों की शिकायतों और समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आर्थिक सहायता, वेतन भुगतान, रोजगार प्रदाय, मजदूरी भुगतान, पेंशन भुगतान, मुआवजा, वन अधिकार पट्टा, बंटवारा, भूमि-विवाद नामांतरण सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त पेंशन, राशन कार्ड, मजदूरी भुगतान, राजस्व संबंधी प्रकरणों का गंभीरता से लेने एवं समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए।



मुड़ेना तक सड़क निर्माण की बहुप्रतिक्षित मांग हुई पूरी

सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जताया संसदीय सचिव का आभार

जोहार छत्तीसगढ़- महासमुंद।

ग्राम मुड़ेना तक सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 17 लाख की मंजूरी मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष है। बहुप्रतिक्षित मांग पूरी होने पर ग्रामीणों ने संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर का आभार जताया है। मंगलवार को सरपंच गोवर्धन बांधे के नेतृत्व में मन्मलाल सिन्हा, रेखू सिन्हा, नरोत्तम देवदास, गजेंद्र साहू, सुदर्शन बारले, दाउलाल सोनवानी, संतोषी निषाद, गीता निषाद, योगेश सिन्हा, सेवक निषाद, रंजीत ठाकुर, लेखराज सोनवानी, मीना यादव, राधा बाई, संगीता, दीवा निषाद, टीकम निषाद, लोकेश निषाद, विजय



लक्ष्मी, जय लक्ष्मी, राजकुमारी, किरण, दिव्या, नीतू, देवनारायण, दुर्केश्वरी, महेश्वरी, जोहन कोसले, सुरेश साहू लखवंती कोसले आदि संसदीय सचिव निवास पहुंचे। जहां संसदीय सचिव चंद्राकर से मुलाकात कर सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 17 लाख की मंजूरी मिलने पर आभार जताया। सरपंच गोवर्धन बांधे ने कहा कि

मुख्य मार्ग से मुड़ेना तक सड़क की स्थिति काफी खराब है। बरसात के दिनों में तो आवाजाही में काफी परेशानी होती है। सड़क निर्माण को लेकर लंबे समय से शासन-प्रशासन का ध्यानकर्षित कराते आ रहे थे। लेकिन उनकी मांग पूरी नहीं हो रही थी। संसदीय सचिव चंद्राकर ने सड़क निर्माण के लिए मंजूरी मिलने पर ग्रामीणों

को बधाई देते हुए कहा कि सड़क निर्माण की मांग को उन्होंने गंभीरता से लेते हुए प्रदेश सरकार का ध्यानकर्षित कराया था। तब जाकर सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 17 लाख की मंजूरी मिल सकी है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण होने से ग्रामीणों को आवाजाही में सहूलियत हो सकेगी।

जिला पंचायत सीईओ यादव ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

जिले में प्रीकारेशन डोज एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण में प्रगति लाने के लिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेंद्र यादव द्वारा आज कलेक्टर सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली गई। उन्होंने सभी अधिकारियों को नियमित रूप से फोल्ड विजिट करने एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय, अपर कलेक्टर आईएल ठाकुर, समस्त एसडीएम, जनपद सीईओ सहित अन्य विभागों के



जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में सीईओ द्वारा जिले में वैक्सिनेशन, पौधरोपण, गौठानों में गोबर खरीदी, जाति प्रमाण-पत्र व आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। सीईओ यादव ने जिले में बूस्टर डोज लगवाने की स्थिति की

जानकारी लेते हुए पूरे जिले में टीका करण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस हेतु उन्होंने माइक्रो प्लान तैयार करने के लिए कहा साथ ही सभी शासकीय कार्यालय, कॉलेज, स्कूल, बैंक सहित अन्य पब्लिक स्थानों में कैम्प के माध्यम से टीकाकरण करने की बात कही। उन्होंने सभी

एसडीएम, जनपद सीईओए सीएमओ को नियमित रूप से अपने क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं की क्रियान्वयन की जानकारी लेने के लिए कहा। साथ ही अपने स्तर पर खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेने की बात कही। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस हेतु व्यक्तित

रुचि लेकर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। सीईओ ने जिले में चल रहे वृक्षारोपण की विभागवार जानकारी लेते हुए सभी विभागों को समय पर लक्ष्यानुसार पौधारोपण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी पात्र व्यक्तियों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्र अभियान चलाकर पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित नहीं रहना चाहिए। यादव ने गौठानों में गोबर खरीदी एवं खाद निर्माण की स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी गौठानों में नियमित रूप से गोबर खरीदी करने एवं खाद निर्माण में तेजी

लाने के लिए कहा। उन्होंने जिले में सक्रिय गौठानों की संख्या बढ़ाने एवं महिला समूह की आय बढ़ाने हेतु गंभीरता से कार्य करने के लिए कहा। इस हेतु गौठान के नोडल अधिकारियों को गंभीरता से ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने-केसीसी योजना का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कहा। इस दौरान सीईओ ने अधिकारियों से समय सीमा के लंबित प्रकरणों को समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों को निर्धारित समयवाधि में अनिवार्य रूप से निराकरण करने करने के निर्देश दिए।

बेमेतरा पुलिस ने अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप एवं चेतना अभियान के माध्यम से किया जागरूक

जोहार छत्तीसगढ़- बेमेतरा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभिव्यक्ति ऐप छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इस अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप के माध्यम से महिलाओं को तत्काल सहायता मिलेगी। इसके अलावा इस ऐप के माध्यम से महिलाएं कहीं से भी अपनी शिकायत पुलिस के पास दर्ज करा सकेंगी। यानी अब महिलाओं को थाने जाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा महिलाएं अब अपनी सुरक्षा को लेकर सुझाव भी



पुलिस विभाग तक पहुंचा सकेंगी। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मनंद सिंह एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा

पंकज पटेल जिले के अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप के नोडल अधिकारी व अति.पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के निर्देशन पर बेमेतरा जिले में अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 18 जुलाई 2022 को थाना नांदघाट प्रभारी निरीक्षक संतोषी ग्रेस, थाना चंदनू प्रभारी निरीक्षक प्रमोद शर्मा, उपनिरीक्षक अंजोर सिंह साहू के द्वारा शिक्षकों के उपस्थिति में चेतना कार्यक्रम के

तहत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भदराली के छात्र-छात्राओं को महिलाओं एवं बालिकाओं पर हो रहे लैंगिक शोषण के बचाव एवं कारण से सम्बंधित तथा गुड टच, बेड टच तथा सेल्फ डिफेंस महिलाओं पर हो रहे अपराध एवं मोबाइल से सम्बंधित होने वाले साइबर अपराध एवं उनके रोकथाम एवं यातायात के नियम की भी जानकारी दी गयी तथा अभिव्यक्ति महिला सुरक्षा ऐप के सम्बंध में विस्तृत जानकारी देकर प्रचार प्रसार किया गया।

चिरायु कार्यक्रम अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित बच्चों का शिविर में परीक्षण एवं ईलाज

जोहार छत्तीसगढ़- बेमेतरा।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु, कार्यक्रम के अंतर्गत जिला बेमेतरा के आंगनवाड़ी एवं स्कूलों में स्वास्थ्य टीम के माध्यम से समस्त बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। जिला कलेक्टर के जितेंद्र शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में मई, जून, एवं जुलाई माह में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर के विशेषज्ञों की टीम के द्वारा चिरायु कैम्प में कुल 300 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की सुविधा भी दी गई है। इस वर्ष कुल 05 पांच का हृदय रोग का सफल ऑपरेशन से ईलाज किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने बताया की 19 जुलाई 2022, दिनांकलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खण्डसरा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में चिन्हांकित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु रामकृष्ण अस्पताल के विशेषज्ञों की टीम के द्वारा विकासखण्ड स्तरीय में कैम्प



का आयोजन किया गया। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ शरद कोहाड़े ने जानकारी दी कि एक शिविर में 0.18 वर्ष के बच्चे जो हृदय रोग, मस्तिष्क रोग, हड्डी रोग, नाक.कान.गला रोग से ग्रसित है। उन्हें चिरायु कार्यक्रम अंतर्गत ईलाज हेतु चिन्हांकित किया गया। शिविर में रामकृष्ण अस्पताल रायपुर से डॉ. प्रशांत ठाकुर हृदय रोग विशेषज्ञ की टीम ने 35 बच्चों का जांच किया। शिविर में कुपोषित बच्चों की भी



पहचान की गई। शिविर में 10 हृदय रोग, 01 बंधित रोग, 1 हड्डी रोग आंख की जांच की गई साथ में परिजनों का भी वीपी,शुगर जांच किया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न हो तो माता-पिता चाहते हुए भी अपने बच्चों का ईलाज करा पाने में असमर्थ होते हैं। ऐसे परिवार एवं बच्चों को मदद के लिए चिरायु के तहत 30 से ज्यादा विमारियों का ईलाज निःशुल्क किया जाता है। ऐसे ही भारती

गेंडर, उम्र 10 वर्ष, ग्राम अतरिया, हृदय रोग से ग्रसित चिरायु दल के द्वारा परीक्षण पश्चात कैम्प के माध्यम से रायपुर रेफर किया गया एवं अनुबंधित अस्पताल में निःशुल्क सर्जरी हुई। अब भारती गेंडर पुरी तहत से स्वस्थ है। डॉ कमलकांत मेश्राम, जिला नोडल अधिकारी, ने अपील की कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हृदय रोग, ऐसे बच्चे जिन्हें कम दिखाई व सुनाई देते हैं, कटे.फटे होट, पैर मुड़े हुए, उनका ईलाज निकट के स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क कर चिरायु टीम के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराये। शिविर के आयोजन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे, जिला सलाहकार शोभिका गजपाल, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक न हो तो माता-पिता चाहते हुए भी अपने बच्चों का ईलाज करा पाने में असमर्थ होते हैं। ऐसे परिवार एवं बच्चों को मदद के लिए चिरायु के तहत 30 से ज्यादा विमारियों का ईलाज निःशुल्क किया जाता है। ऐसे ही भारती



पोल की फाल्ट सुधारने बांध के अंदर नांव से गए बिजली कर्मों

रोशनी की व्यवस्था में हर बाधा पार कर रहे लाइन कर्मचारी

जोहार छत्तीसगढ़-
बेमेतरा।

भारी बारिश के चलते एक ओर जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं बिजली सप्लाई निर्बाध रखने में भी बाधाएं आ रही हैं। लगातार बारिश होने के कारण पोल एवं केबल टूट गए हैं तथा कुछ जगहों पर ट्रांसफार्मर एवं पोल पानी से घिर गए हैं या डूब गए हैं।

परन्तु फिर भी विद्युत सप्लाई की व्यवस्था दुरुस्त करने की



कवायद में विद्युत विभाग के कर्मचारी योद्धा की तरह अपनी जान की परवाह किये बिना जुटे हुए हैं। जरूरत पड़ने पर कभी नाव से तो कभी तैरकर फाल्ट सुधारकर विद्युत व्यवस्था बहाल करने में लगे हुए हैं विद्युत कर्मों।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्री ब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के विभागीय सहायक बेमेतरा के अंतर्गत 11 केव्ही नवागढ़ फीडर की लाईन 09 जुलाई 2022 फॉल्ट हो गई थी। जिसे सुधारने बांध के अंदर लाइन कर्मियों की

टीम नाव से पहुंची। फॉल्ट के कारण ग्राम मुडुपार, बेमेतरा एवं चारभाटा खार की लाईन बंद हो गई। 11 केव्ही लाईन की पेट्रोलिंग करने पर मुडुपार बांध में एक नग पिन डिसुलेटर पंचर पाया गया।

सहायक अभियंता गुलाब राम साहू ने बताया कि 11 केव्ही लाईन बांध से गुजरी है।

उन्होंने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण बांध में पानी अधिक है। इसलिए नाव की व्यवस्था कर मौके पर पहुंचकर विद्युत कंपनी की टीम ने बड़ी सूझबूझ से पोल पर चढ़कर लाइन दुरुस्त किया।

जिससे मुडुपार बस्ती में बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। सहायक अभियंता गुलाब साहू ने बताया कि उक्त कार्य करने हेतु बेमेतरा ग्रामीण के सहायक लाइनमैन सुगनचंद कोशले, लाइन परिवारक श्रेणी दो अमित गिरी एवं डामेश्वर नेताम की टीम तैयार कर लाइन

सुधार हेतु भेजा गया था। उन्होंने बताया कि बारिश का पानी अधिक होने के कारण पोल तक नाव के सहारे जाना पड़ा। मुख्य अभियंता एमपुजामुलकर ने कहा कि लाइन कर्मचारी पावर कंपनी के आधार स्तंभ हैं जो जीवन संकट में डालकर सप्लाई व्यवस्था दुरुस्त करने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी लाइन कर्मियों के सूझबूझ से कार्य करने का जस्वा प्रशंसनीय है। उच्च अधिकारियों द्वारा भी उनके इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की जा रही है।



खाद की हो रही कालाबाजारी होश में नहीं संबंधित अधिकारी क्यों नहीं हो रहे सहकारी समितियों को खाद की पूर्ति-किसान नेता

अशवन्त तुषार साहू

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के सभी क्षेत्रों के दुकानों में खाद की कालाबाजारी भारी मात्रा में हो रही छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की सुविधा के लिए अनेक प्रकार की घोषणा कर रही है। इधर के लिए किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। यूरिया का शासकीय दर 267 वहीं डीएपी का 1300 लगभग लेकिन किसानों को सोसाइटी में खाद नहीं मिल रहा है महासमुंद क्षेत्र के किसान परेशान हैं हलाकत है इधर व्यापारी खाद को अधिक दामों पर बेच रहे हैं खेती करना है यह किसान की मजबूरी है मजबूर होकर किसान अधिक दामों पर खाद खरीद कर रहे हैं। जोबा,जलकि,तुमगांव, बेमचा, झालखरिया,बर्डी, बम्हनी, पटेवा तथा आसपास के सभी सहकारी समितियों में खाद की बहुत अधिक कमी है। जिसके कारण किसानों को उचित दाम में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रहा है वहीं प्राइवेट कृषि केंद्रों में खाद का भरपूर मात्रा में भंडारण हो रहा है जिसके वजह से किसानों को खाद कृषि केंद्रों में जाकर व्यापारियों से खाद लेना पड़ रहा है जिसको मजबूरन अध्यक्ष कीमती में आप खरीदना पड़ रहा है किसानों का जीवनो के लिए यह एक मुख्य आधार है बता दें कि इधर कृषि विभाग के अधिकारी कारखाने में कोई रुचि नहीं रख रहे हैं इसलिए खाद बेचने वाले व्यापारी बेखोफ होकर खुलेआम हाथ को 400 से 500 से अधिक दामों में बेच रहे किसानों को कोई सुध लेने वाला नहीं है क्षेत्र में खाद में पारियों की दुकानों का घर में जांच की जाए तो भारी मात्रा में अवैध रूप से रखे हाथ ब्यामद हो सकता है जनता के प्राप्त जानकारी के अनुसार यूरिया 265 है जिसे 700 में वही डीएपी 1300 है उसे 1600 से 1700 तक बेचा जा रहा है छत्तीसगढ़ सरकार डिंडोरा पिट रही है कि किसानों को कोई परेशानी नहीं होगी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो जाए तो आखिर क्यों नहीं हो रहा है व्यापारियों के पास भारी मात्रा में कहाँ से और कैसे अवैध रूप से खाद आ रहा है इसकी सूक्ष्मता से जांच होना चाहिए ताकि इसका पार्दाफास हो सके।



आर ई एस कॉलोनी स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में की गई विशेष पूजा अर्चना

कोण्डागांव। दिनांक 18/07/2022 को आर ई एस कॉलोनी स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में समिति के अध्यक्ष श्रीमती वेदवती पोयम,उपाध्यक्ष श्रीमती सरस्वती देवांगन,सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती जागेश्वरी सोरी समिति के सदस्य श्रीमती कुमुद शर्मा, प्रियंका शर्मा, मनीष साहू, श्रीमती पूजा साहू, चंदन सोरी, श्रीमती रमा पिळे,श्रीमती अनुसुइया माली तथा समिति के समस्त सदस्यों एवं



आर ई एस कॉलोनी वासियों की उपस्थिति में दोपहर 2:30 बजे पंडित राधेश्याम दुबे द्वारा मंत्रोच्चारण कर प्रथम सावन

सोमवार होने के चलते विशेष पूजा अर्चना एवं हवन किया गया कार्यक्रम में मुख्य जजमान के रूप में मनोज साहू एवं उनकी

धर्मपत्नी श्रीमती पूजा साहू, कुमारी प्रियंका शर्मा एवं चंदन सोरी रहे। इस अवसर पर पंडित राधेश्याम दुबे द्वारा भगवान शिव जी और माता पार्वती जी की महिमा का अमर कथा का सुंदर प्रसंग सुनाया गया। पंडित राधेश्याम दुबे ने इस अवसर पर कहा कि श्रावण के महीने में भगवान शिव जी और माता पार्वती जी की आराधना करने से अनेकों संकट दूर हो जाते हैं।

आजादी के 75 वर्षों में पहली बार आवश्यक खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाया गया-रश्मि चंद्राकर

जोहार छत्तीसगढ़-
महासमुंद।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर ने अपने प्रेस विज्ञापित में कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में मोदी सरकार द्वारा खुदरा में मिलने वाले आटा, दाल, चावल, गुड़, गेहूँ, बाजरा, ज्वार, दूध, दही, पनीर, छाछ इत्यादि खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाने का दुर्भाग्यपूर्ण फैसला किया है। आजादी के 75 वर्षों में पहली बार आवश्यक खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाया गया है खाद्य वस्तुओं को माल एवं सेवा कर जोड़ने के दायरे में लाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार महंगाई बढ़ाने के हर तर्क मौजूद है लेकिन महंगाई कम करने के लिए एक भी उपाय केंद्र सरकार के पास नहीं है आगे चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी को महंगाई के मुद्दे पर जनता के समक्ष जवाब देना ही पड़ेगा। अब से दूध, दही, मक्खन, चावल, दाल, ब्रेड जैसे पैकड उत्पादों पर जनता से 5 प्रतिशत जीएसटी वसूला जाएगा। महासमुंद कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजें महंगी हो गईं। गैस सिलिंडर 1000 पर पेट्रोल डीजल 100 के पार हो गया। लेकिन मोदी सरकार कहती है ये

अच्छे दिन हैं। मतलब, यह महंगाई जनता की समस्या है, सरकार की नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया। जब मोदी विपक्ष में थे, तब उन्होंने महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया था। लेकिन आज उन्होंने जनता को समस्याओं के गहरे दलदल में धकेल दिया है। जिसमें लोग रोज धंसते जा रहे हैं। उनकी इस बेवसी पर प्रधानमंत्री मौन हैं। खुश हैं और झूठ पर झूठ बोल रहे हैं। खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लागू होने पर चंद्राकर ने कहा। केंद्र सरकार की ओर से आप पर किए जा रहे हर अत्याचार के खिलाफ मैं और पूरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री चाहे जितने शब्दों को असंसदीय बता कर हमें चुप कराने की कोशिश कर लें, जवाब तो उन्हें देना ही पड़ेगा। जीएसटी परिषद के फैसले लागू होने के बाद सोमवार से कई

खाद्य वस्तुएं महंगी हो गईं। इनमें पहले से पैक और लेबल वाले खाद्य पदार्थ जैसे आटा, पनीर और दही शामिल हैं। जिन पर पांच प्रतिशत जीएसटी देना होगा। खाने-पीने की कई चीजों पर जीएसटी लागू खाने पीने की कई चीजों पर 18 जुलाई से जीएसटी लागू हो गया है। इनमें पहले से पैक और लेबल वाले अनब्रांडेड खाद्य पदार्थ जैसे दाल, चावल, आटा, गेहूँ समेत सभी अनाज शामिल हैं। इन पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है। आज से पहले तक जीएसटी के दायरे से बाहर रहे इन सामानों की खरीद पर पांच प्रतिशत जीएसटी लागू रिकार्ड तोड़ बेरोजगारी के बीच लिया गया यह फैसला मध्यम वर्गीय परिवारों और विशेषकर किराए के मकानों में रहने वाले संघर्षरत युवाओं की जेबें और हल्की कर देगा।

एक नजर

यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चलानी कार्यवाही जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।



जिला मुख्यालय के मलकानगिरी कुम्हार रास कलेक्ट्रेट मुख्य सड़क मार्ग में उपनिरीक्षक शंकर पाल यातायात प्रभारी सुकमा द्वारा बिना हेलमेट पहनने, तीन सावारी दुर्घटना व तीन पहिया वाहनों रूटिन चेकिंग कर चालानी कार्रवाई की जा रही है। वहीं लगातार हो रहे सड़क दुर्घटना के बारे यातायात नियमों को सही ढंग से पालन करने के निर्देश दिया गया और शराब पीकर वाहन न चालाए जिससे आप सड़क दुर्घटना कभी भी हो सकती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत कृषि महाविद्यालय ढोलिया बेमेतरा के स्वयंसेवकों एवं बालक-बालिका का छात्रावास में वृक्षारोपण कार्य सम्पन्न जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।



कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया, बेमेतरा के राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस स्वयंसेवकों के द्वारा कृषि महाविद्यालय के बालक-बालिका छात्रावास परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही साथ महाविद्यालय परिसर में भी पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर 50 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने भाग लिया और संकल्प लिया की हम अपने परिसर को हरा-भरा एवं इन पौधों की देख-भाल करेंगे। रासेयो प्रभारी डॉ. प्रीति पैकरा के मार्गदर्शन में यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए 10 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण द्वारा राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार 2021 के लिए नामांकन प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के लिए नामांकन आवेदन वांछित अभिलेखों के साथ 10 अक्टूबर 2022 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास जशपुर को प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन का प्रारूप बाल न्यायालय परिषदए भागलपुर रोड, रणजीता स्टेडियम के पीछे, जिला बाल संरक्षण अधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना में 6 वर्ष से 18 वर्ष के बालक एवं बालिका ही आवेदन कर सकते हैं। जिन्होंने अपनी जान की परवाह किये बिना, दूसरे की जान बचाने के लिए वीरता का कार्य किया गया हो। शीर्ष कार्य 1 जुलाई 2021 से 30 सितम्बर 2022 के मध्य का होना अनिवार्य है। आवेदक को आवेदन के साथ एफआईआर अथवा पुलिस डायरी, समाचार पत्रों, 6 पासपोर्ट साइज के वर्तमान रंगीन फोटो ग्राफ्स जो कि सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो, संलग्न करना होगा। साथ ही घटना का विस्तृत विवरण प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के द्वारा सत्यापित किया जाना अनिवार्य है।

बेमेतरा पुलिस ने गुम 65 वर्षीय बुजुर्ग को दस्तयाब कर किया बरामद

परिजनों को किया सुपुर्द

जोहार छत्तीसगढ़-
बेमेतरा।

प्रार्थी टीकेन्द्र पाटिल उम्र 32 साल साकिन घटियाकला ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इनके पिता केजू राम पाटिल पिता अल्खु राम पाटिल उम्र 65 वर्ष ग्राम घटिया कला जो 3 दिनों से घर से बिना बताये कहीं चला गया है घर के पूरे परिवार वाले काफी परेशान हैं।

जिस पर थाना बेरला पुलिस द्वारा गुम इंसान कायम कर जांच पर लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मन सिंह के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं



एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल के द्वारा थाना बेरला प्रभारी नासिर स्टाफ एवं थाना स्टाफ को तत्काल गुम बुजुर्ग की पता तलास करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण में जांच के दौरान थाना बेरला स्टाफ के द्वारा आसपास के क्षेत्रों में गुम इंसान की पतासाजी की जा रही थी। जो ग्रामीणों,परिजनों व बेरला पुलिस के प्रयास से केजू राम पाटिल 65 वर्षीय बुजुर्ग गुम इंसान को 17 जुलाई 2022 को दस्तयाब कर बरामद किया गया है

65 वर्षीय बुजुर्ग को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिवार के सभी सदस्यों ने बुजुर्ग के मिलने पर राहत की सांस ली और 65 वर्षीय बुजुर्ग के परिजनों ने अपने पास पाकर बहुत खुश हुये और खुशी जाहिर करते हुए बेरला पुलिस का हृदय से अभार व्यक्त किये। उक्त पता तलास में थाना बेरला प्रभारी उप निरीक्षक नासिर खान, प्रधान आरक्षक सदीप साहू एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

महिला की हत्या के विरोध में ग्रामीणों ने किया रतनपुर थाने का घेराव, थाने में पुलिस बल मौजूद

जोहार छत्तीसगढ़-
रतनपुर।

रतनपुर थाना क्षेत्र से बड़ी खबर आ रही है। भतीजे ने अपनी ही चाची की सबल मारकर हत्या कर दी है। हत्या के बाद फरार भतीजे को पुलिस ने किया गिरफ्तार हत्या के विरोध में थाने का हुआ घेराव व पथराव।

रतनपुर वार्ड नंबर 12 करौहापारा निवासी सुरेखा पाटले सुबह मोहले के नल में पानी भरने गई थी तभी पास आकर सुरेखा के भतीजे मुकेश पाटले पिता मोहित राम पाटले उम्र 22 निवासी करौहापारा पारा रतनपुर ने सबल मारकर हत्या की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था। लेकिन पुलिस की तत्परता से आरोपी 6



घंटे के अंदर ही पुलिस की गिरफ्त में पहुंच गया। हत्या के विरोध में हुआ थाने का घेराव व पथराव महिला की हत्या के बाद से ही गरमाने लगा था माहौल वहीं शाम होते होते ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया। सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार महिला 2 दिन से रतनपुर थाना आकर अपने भतीजे पर ही अपनी हत्या की आशंका जाहिर कर रही थी। लेकिन पुलिस ने कार्यवाही की जगह महिला को समझाकर वापस भेज दिया था।



और आज महिला की हत्या होने पर ग्रामीणों ने इसी बात पर गुस्सा होकर थाने का घेराव किया और थाने पर पथराव भी किया। आनन

मां का छाया भी छीन गया है। उनके बच्चे 10 साल, 6 साल और ढाई साल के हैं। अब बच्चों के सामने जीवन को आगे बढ़ाने की समस्या शुरू हो गई है महिला के हत्याकांड के मामले में मृतिका के परिजनों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। पुलिस की नाकामी की वजह से हत्या का आरोप लगाते हुए परिजनों ने बीती रात थाने में हंगामा किया था। जिसकी वजह से उन पर लाठीचार्ज भी हुई थी। जिससे उनका आक्रोश और भी बढ़ गया है। जिन्होंने मंगलवार को मृतिका के अंतिम स्थिति निर्यंत्रण में है।

तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया

ढाई साल पहले मृतिका सुरेखा पाटले के पति जगदीश की मौत हो गई थी। वह अपने तीन मासूम बच्चों की सहारा थीं। महिला की मौत के बाद अब तीनों बच्चों के सिर से

अल्लू की पुष्पा ने बनाया नया रिकॉर्ड

500 करोड़ व्यूज वाली पहली भारतीय एल्बम बनी

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा के प्रति दर्शकों में दीवानगी देखते ही बनती है। चाहे फिल्म के गाने हों या डायलॉग, सभी कसौटी पर यह फिल्म खरी उतरी। फिल्म 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन सुकुमार ने किया है।

अब इस फिल्म के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। पुष्पा भारत की पहली पैन इंडिया फिल्म बन गई है, जिसकी एल्बम को 500 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिले हैं।

फिल्म समीक्षक रमेश बाला ने



इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, भारतीय सिनेमा में अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज पहली एल्बम है, जिसने 500 करोड़ व्यूज हासिल किए हैं। सिनेमाघरों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर एक प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म को दर्शकों ने हाथों-हाथ लपक लिया।

फिल्म के जरिए अल्लू को भी बेशुमार लोकप्रियता मिली। पुष्पा ने भारत में 350 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया था। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही कीर्तिमान रच दिया था और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2021 का सबसे बड़ा ओपनिंग डे अपने नाम किया था। यहां तक कि फिल्म ने मास्टर और स्पाइडर मैन को भी पछाड़ दिया था।

तारा और मेरी एक-दूसरे के साथ नैचुरल केमिस्ट्री है : अर्जुन कपूर

हिंदी सिनेमा जगत के जाने माने अभिनेता अर्जुन कपूर, जो अपनी आगामी फिल्म एक विलेन 2 की रिलीज के लिए तैयार हैं और लगातार इसको लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच अर्जुन कपूर ने अपनी सह-कलाकार तारा सुतारिया की प्रशंसा की है और कहा है कि तारा के साथ उनकी नैचुरल केमिस्ट्री है।



बता दे कि इस फिल्म में अर्जुन और तारा के अलावा जॉन और दिशा भी मुख्य भूमिका में हैं। अर्जुन कहते हैं, यह देखना वाकई अच्छा है कि लोगों ने एक विलेन 2 के ट्रेलर में तारा और मेरी जोड़ी को कैसे पसंद किया है। मुझे खुशी है कि वे हमारी केमिस्ट्री की

सराहना कर रहे हैं और हम एक-दूसरे के साथ कैसे दिख रहे हैं। हमारी एक-दूसरे के साथ एक प्राकृतिक केमिस्ट्री है और हम एक दूसरे की ऊर्जा का पोषण करते हैं। अभिनेता आगे कहते हैं, हर नई और ताजा ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों की कसौटी पर खरा उतरना

फातिमा सना शेख ने शुरू की सैम बहादुर की तैयारी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जिन्हें एंथोलॉजी मॉडर्न लव मुंबई में उनके काम के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, वह फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ सैम बहादुर के जीवन पर आधारित अपनी आगामी फिल्म पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हैं, जहां वह भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी।

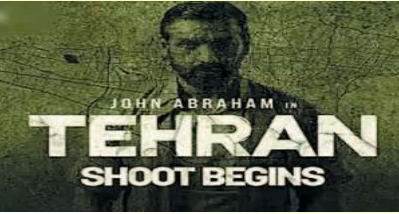
अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर निर्देशक मेघना गुलजार के साथ फिल्म के लिए अपने तैयारी सत्र की एक झलक दी। अपने कैप्शन में उन्होंने लिखा, हैशटैग-समबहादुर एट-मेघनागुलजार में मेरे दांत डूबना फातिमा ने पहले कहा था कि वह पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के साक्षात्कार देख रही हैं और उन पर बहुत सारी सामग्री पढ़ रही हैं।

उसने यह भी कहा था कि हालांकि यह सब स्क्रीन पर नहीं दिखाया जाएगा, लेकिन इतिहास को बदलने वाली प्रसिद्ध हिस्तों के बारे में जानना वाकई दिलचस्प है। फातिमा ने पहले हिट फिल्म दंगल में भारतीय पहलवान गीता फोगट के यथार्थवादी चित्रण के लिए बहुत ध्यान और प्रशंसा प्राप्त की है। इस बीच, काम के मोर्चे पर, फातिमा वर्तमान में दीया मिर्जा, रत्ना पाठक और संजना सांधी के साथ तापसी पन्नू के प्रोडक्शन धक धक में काम कर रही हैं।



दिनेश विजन की एक्शन थ्रिलर तेहरान में जॉन अब्राहम आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम निर्माता दिनेश विजान की नई फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म तेहरान में जल्द ही नजर आएंगे। सोशल मीडिया के जरिए इस बात की घोषणा हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। घोषणा वीडियो में फिल्म के अपने पहले लुक में जॉन को दिखाया गया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, अगर इस चुपके चोटी को जाना है, तो दर्शकों के पास आगे देखने के लिए काफी ताकतवर कहानी है! बेक माई केक फिल्म के सहयोग से एक मैडॉक फिल्म प्रोडक्शन, तेहरान का निर्देशन अरुण गोपालन कर रहे, जिसे रिशेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेले ने प्रोड्यूस कर रहे हैं। फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।



खेल

वर्ल्ड कप से पहले भारत की 5 मुश्किलें खत्म

हार्दिक ने पूरी की ऑलराउंडर की कमी, नंबर-4 पर सूर्या फिट, कोहली का बैकअप भी मिला

2011 के बाद भारतीय क्रिकेट टीम कोई वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अक्टूबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत कमाल करेगा और 11 साल से आ रहे सूखे को खत्म करेगा। इसके लिए टी टीम मैनेजमेंट को भी बदल दिया गया है। रोहित शर्मा को कप्तानी और राहुल द्रविड़ को कोचिंग का जिम्मा सौंपा गया है।

अभी हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर काफी रूबे समय से चली आ रही टीम इंडिया की 5 मुश्किलें भी लभभग खत्म होती नजर आईं। आइए आपको बताते हैं कैसे अब ब्लू आर्मी ऑस्ट्रेलिया में विश्व चैंपियन बन सकती है...

भारत ने 2007 से अब तक दो वर्ल्ड जीते हैं। एक वनडे और एक टी-20 वर्ल्ड कप। दोनों में



ही युवराज सिंह सबसे अहम खिलाड़ी साबित हुए थे। नंबर-4 पर विस्फोटक बल्लेबाजी युवी की खासियत थी। अगर टॉप ऑर्डर अच्छा परफॉर्म करता तो युवी नंबर-4 पर आकर टीम को और भी अधिक ऊंचाई पर ले जाते। अगर टॉप ऑर्डर फेल होता तो युवराज पारी संभालने का काम करते थे। तब से अब तक भारतीय

टीम WHITE BALL क्रिकेट में नंबर-4 पर युवराज का रिप्लेसमेंट खोज रही थी। इस दौरान नए-पुराने कुल 18 खिलाड़ियों को इस नंबर पर आजमाया गया, लेकिन कोई भी खुद को युवराज का एक चौथाई भी साबित नहीं कर पाया। अब इंग्लैंड दौरे पर ये परेशानी खत्म हो गई है। सूर्यकुमार यादव के रूप में

टीम को नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने के लिए एक तगड़ा खिलाड़ी मिला है। अंग्रेजों के खिलाफ टी-20 सीरीज में तीन मुकामलों की तीन पारियों में सूर्या ने 171 रन बनाए। इसमें एक शानदार शतक भी मौजूद था। सूर्यकुमार पेंस और स्पिन दोनों खेलने में एक समान महारत रखते हैं।

हार्दिक ने पूरी की ऑलराउंडर की कमी

हार्दिक की पीठ की चोट ठीक नहीं हो रही थी। वे गेंदबाजी नहीं कर पा रहे थे। भारतीय टीम ने उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप तक मौका दिया फिर झुंफ कर दिया। जिस मुंबई इंडियंस को उन्होंने कई बार चैंपियन बनाया उसने तो एक सीजन भी इंतजार नहीं किया। पंड्या को रिटैन नहीं किया गया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में लौटे जेसन होल्डर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान जेसन होल्डर की भारत के खिलाफ 22 जुलाई से शुरू होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 13 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है। अनुभवी आलराउंडर बांग्लादेश के खिलाफ पिछली घरेलू टी20 सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज की टीम का हिस्सा नहीं था लेकिन क्रिकेट वेस्टइंडीज के चयन पैनल ने उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में वापस बुलाने का फैसला किया। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद निकोलस पून टीम की अगुवाई करना जारी रखेंगे जबकि शाई होप टीम के उप कप्तान होंगे। वेस्टइंडीज को बांग्लादेश ने वनडे सीरीज में 0-3 से हराया लेकिन पून ने तीसरे टी20 में 39 गेंद में 74 रन बनाए। उन्होंने तीसरे



एकदिवसीय में भी 73 रन की पारी खेली। सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स के हवाले से कहा, 'जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जेसन दुनिया के अग्रणी ऑलराउंडर में से एक हैं और उसे टीम में वापस शामिल करने की हमें खुशी है। वो तरोताजा, ऊर्जावान और फिर से मैदान पर उतरने को तैयार होगा और हम मैदान पर उसकी प्रतिभा और मैदान के बाहर भी उसके सार्थक योगदान की उम्मीद कर रहे हैं।

एक नजर

एक दिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, एडम जम्पा की वापसी



मेलबर्न। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम में लेग स्पिनर और सफेद गेंद के विशेषज्ञ एडम जम्पा की वापसी हुई है। जम्पा अपने पहले बच्चे के जन्म को लेकर श्रीलंका के हालिया दौरे से बाहर हो गए हैं, लेकिन 30 वर्षीय स्पिनर को अगस्त और सितंबर में क्रॉसलैंड में होने वाले मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलेगा। टेस्ट कप्तान पैट कर्मिस और बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को आराम दिया गया है। टीम में तेज गेंदबाज सीन एबॉट और साथी स्पिनर एश्टन एगर को टीम में शामिल किया गया है। मिचेल स्वेपसन, जोश इंग्लिस, ड्रे रिचर्डसन और मैथ्यू कुडनेमैन सभी को टीम से बाहर कर दिया गया है। अनुभवी बल्लेबाज एरोन फिंच को एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान सौंपी गई है। राष्ट्रीय चयनकर्ता और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वेले का मानना है कि न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी मैच टीम को क्रिकेट के व्यस्त दौर से पहले एक अच्छी चुनौती प्रदान करेंगे।

पंत को मौका देकर पछता रहे हैं बटलर, मैच के बाद कुछ यूं स्वीकारी चूक

नई दिल्ली। मैनचेस्टर वनडे में टीम इंडिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड पर पांच विकेट से जीत दर्ज की। रिषभ पंत मैच के हीरो रहे जिन्होंने 125 रन की नाबाद पारी खेलकर मुकाबले को इंग्लैंड को पकड़ से दूर कर दिया। हालांकि मेजबानों की हार का



बड़ा कारण इंग्लिश कप्तान द्वारा रिषभ पंत का आसान स्टंप मिस करना था। जोस बटलर ने मैच के बाद इसे लेकर चर्चा की। रिषभ पंत जब 18 रन पर खेल रहे थे मोइन अली की गेंद पर वो आगे बढ़कर बड़ा शॉट मारने के प्रयास में मिस कर गए, गनीमत रही कि विकेटकीपर जोस बटलर के दस्तानों में गेंद नहीं फंसी और रिषभ को जीवनदान मिल गया। मैच के बाद बटलर ने कहा, रिषभ पंत एक शानदार खिलाड़ी हैं। अगर आप उसे चांस दोगे तो इसका खामियाजा आपको भुगतना होगा। दुनिया में बहुत सारे स्टोक प्लेयर्स हैं लेकिन रिषभ पंत एक निडर खिलाड़ी हैं। वो एक ऐसे बल्लेबाज हैं जिसे देखने में मजा आता है। सभी फॉर्मेट में वो एक बड़े खिलाड़ी हैं। ये शायद मानसिकता है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। वो एक विशेष टैलेंट है।

भारतीय दौरे से पहले वेस्टइंडीज के 2 खिलाड़ियों का संन्यास

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दौर से पहले वेस्टइंडीज से बड़ी खबर आई है। सोमवार रात वेस्टइंडीज के 2 खिलाड़ियों ने संन्यास की घोषणा कर दी है। इनमें धाकड़ बल्लेबाज लेंडल सिमंस और विकेटकीपर दिनेश रामदीन शामिल हैं।

हालांकि, ये दोनों टीम इंडिया के खिलाफ घोषित कैरेबियाई टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन, दोनों ने ही इंटरनेशनल क्रिकेट में खूब रन बटोरे हैं। दोनों ने एक ही दिन संन्यास का ऐलान किया। चलिए जान लेते हैं दोनों का करियर और रिकॉर्ड... वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज लेंडल सिमंस ने टी-20 इंटरनेशनल की एक इनिंग में सबसे ज्यादा छक्के मारने का रिकॉर्ड



बनाया था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ साल 2020 में खेले मुकाबले में 91 रनों की पारी में दस छक्के जमाए थे। हालांकि बाद में यह रिकॉर्ड टूट गया। त्रिनबगो नाइट राइडर्स ने एक सोशल पोस्ट में सिमंस के संन्यास की घोषणा की। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। सिमंस का IPL

करियर भी शानदार रहा है। उन्होंने 4 सीजन में लीग के 29 मैच खेले हैं और इनमें 1079 रन बनाए। आईपीएल में सिमंस एक शतक और 11 अर्धशतक लगा चुके हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 2015 में आया था, जब उन्होंने उस सीजन में 13 मैचों में 540 रन बनाए थे। वे मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे थे।

दो बार के ओलिंपियन मैराज अहमद खान ने कोरिया में चल रहे शूटिंग वर्ल्ड कप स्किट में देश को पहली बार गोल्ड दिलाया है। इससे पहले उन्होंने 2016 रियो वर्ल्ड कप में भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता था। उनके गोल्ड के साथ ही टूर्नामेंट में भारत के अब तक 5 गोल्ड मेडल हो गए हैं और मेडल टैली में टीम इंडिया टॉप पर बरकरार है।

मैराज ने फाइनल में 40 शॉट में से 37 का स्कोर किया। वहीं, कोरिया के मिसु किम 36 के स्कोर के साथ दूसरे और ब्रिटेन के बेन लीवेलिन ने 26 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यूपी के बुलदाहर जिले से ताछुक रखने वाले मैराज पिछले



15 साल से अंतरराष्ट्रीय इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कॉमनवेल्थ शूटिंग चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय इवेंट में भी मेडल जीते हैं। वहीं, सोमवार को ही चुनन श्री पोजीशन 50 मीटर टीम इवेंट में

भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला है। टीम में अंजुम मौदगिल, अशी चौकसे और सिफट कौर सामरा शामिल थीं। भारतीय टीम ने तीसरे स्थान के लिए मैच में ऑस्ट्रिया की शेलेन वेबेल, नदीन उमेरेंक और रेबेका कोएक की टीम को 16-6 से हराया।

डैकेतों और लूटेरों पकड़ने में बिलासपुर पुलिस हुई नाकाम

एसपी ने किया ऐलान जानकारी देने वालों को किया जाएगा पुरुस्कृत

बिलासपुर। बिलासपुर दर्राघाट में कांग्रेस नेता के घर डकेती और गोंडपारा में ज्वेलरी व्यवसायी की दुकान में लूट के मामले में शामिल आरोपित को पुलिस नहीं पकड़ पा रही है।



घटना के बाद पुलिस ने दो आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक आरोपित फरार होने में कामयाब हो गया। घटना के तीन

महीने बाद भी पुलिस आरोपित को नहीं पकड़ पाई है। इसके बाद एसपी पारुल माथुर ने फरार डकेत की सूचना देने पर पांच हजार

रुपये इनाम की घोषणा की है। गौरतलब है कि जनवरी महीने में आठ लोगों ने कांग्रेस नेता टकेश्वर पाटले के घर से सोने

चोरी के जेवर लूट लिए थे। इसके बाद पुलिस फरार डकेतों की तलाश कर रही थी। इस बीच पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं, मामले में शामिल मोहम्मद रमजान अली उर्फ बल्लू (38) पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना के तीन महीने बाद आरोपित मोहम्मद रमजान अपने साथियों के साथ संचालक को गोली मार दी। इसके बाद वह सोने के जेवर लेकर अपने साथियों के साथ भागने लगा। घायल व्यवसायी ने एक आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया। बाद में पुलिस ने एक

आरोपित को भागने की फिराक में रेलवे स्टेशन पहुंचे उसके एक और साथी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मोहम्मद रमजान पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहा। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही है। घटना के तीन महीने बाद भी पुलिस फरार आरोपित को नहीं पकड़ पाई। इस पर एसपी पारुल माथुर ने आरोपित का सुराग देने वालों को पांच हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। डकेत का सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा। इसके लिए पुलिस कंट्रोल रूम, एसपी आफिस अथवा कोतवाली पुलिस को सूचना दी जा सकती है।

स्वतंत्रता सप्ताह के अवसर पर 11 से 17 अगस्त तक हर घर में फहरेगा तिरंगा झण्डा

बिलासपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता सप्ताह के अवसर पर 11 से 17 अगस्त 2022 तक "हर घर झण्डा कार्यक्रम" आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आम लोगों में देश भक्ति की भावना और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में भी वृद्धि हो।



कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी सार्वजनिक उपकरणों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्यक्रम में कार्पोरेट एवं निजी संगठनों को भी भाग लेने एवं अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में झण्डा फहराया जाएगा। राज्य शासन के वेबसाइट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से इस कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार कर आमजनों को जागरूक किया जाएगा। पॉम्पलेट, बैनर एवं संचार के अन्य माध्यमों से भी झण्डा कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। जिले के सभी टोल नाकों, चेक पोस्ट आदि में प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर आमजनों को हर झण्डा पर कार्यक्रम को सफल बनाने जागरूक किया जाएगा।

एक नजर

वृत्त स्तरीय समीक्षा बैठक हुई आयोजित

कवर्धा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, एवं वन बल प्रमुख, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राकेश चतुर्वेदी (भा.व.से.) की अध्यक्षता में वृत्त स्तरीय समीक्षा बैठक विगत दिनों वनमंडल कार्यालय कवर्धा के सभाकक्ष में आयोजित हुई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, एवं वन बल प्रमुख चतुर्वेदी द्वारा आवर्ती चराई योजना, संयुक्त वन प्रबंधन समिति के लाभांश एवं चक्रिय निधि के उपयोग, ग्रीन इंडिया मिशन, ई.एस.आई.पी.योजना, लघु वनोपज आदि विषयों पर समीक्षा की गई। उन्होंने नरवा, गरुवा, घुरुवा और बारी के महत्व को बताते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामों का विकास हो रहा है, ग्रामीणों को प्राकृतिक संसाधनों तथा पारंपरिक तरीकों से आजीविका का साधन उपलब्ध हो रहा है तथा वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने आवर्ती चराई योजनांतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों में अतिशीघ्र गोठान समितियों का गठन करने के निर्देश दिए। बैठक में सदस्य सचिव, जेव विविधता बोर्ड, रायपुर अरुण कुमार पाण्डेय (भा.व.से.), मुख्य वन संरक्षक, दुर्गा वृत्त दुर्गा भानु प्रताप सिंह (भा.व.से.), वनमंडलाधिकारी, बालाद वनमंडल आयुष जैन (भा.व.से.), वनमंडलाधिकारी, दुर्गा वनमंडल शशि कुमार (भा.व.से.), वनमंडलाधिकारी, कवर्धा वनमंडल चंद्रमणि सिंह (भा.व.से.), वनमंडलाधिकारी, राजनांदगांव वनमंडल श्रीमती शलमा फरुकी (भा.व.से.) एवं दुर्गा वृत्त के समस्त उप वनमंडलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित थे।

17 अगस्त तक हर घर झंडा कार्यक्रम होगा आयोजित

कवर्धा। भारतीय ध्वज राष्ट्र का प्रतीक है इसी गौरव को संवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक हर घर झंडा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिससे आम जन में देश भक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में वृद्धि हो। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने हर घर झंडा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर महोबे ने कहा कि राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन के दिशा-निर्देश अनुसार जिले के अंतर्गत सार्वजनिक उपकरणों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्पोरेट और निजी संगठनों को भी सी.एस.आर. संसाधनों सहित भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना सुनिश्चित करें। राज्य शासकीय वेबसाइटों और सोशल मीडिया का उपयोग कर आमजनों में जागरूकता लाए जाने तथा अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा को वेबसाइट के माध्यम से लिंक करें। शासन स्तर पर संशोधित मॉनिटरिंग कर ग्राम सरपंचों एवं पंचायत के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारियों की सहभागिता कर झण्डा कोड को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त झण्डों के मांग का पता लगाने के लिए ग्राम सभा आयोजित करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

भाजपुमो ने कलेक्टर से मिलकर समस्याओं से कराया अवगत

दुर्गा। दुर्गा लोकसभा के सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकारिणी सदस्य जीत यादव, रितेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में आज दुर्गा जिलाधीश को दुर्गा की स्थिति का ज्ञापन के माध्यम से ध्यान आकर्षित किया गया। वर्तमान में दुर्गा की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी संपूर्ण दुर्गा में पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है और ना ही साफ-सफाई की व्यवस्था है। दिन-ब-दिन दुर्गा के सम्पूर्ण क्षेत्र गंदगी से भरते जा रहे हैं बरसात के मौसम होने के कारण नालियों का पानी सड़कों पर आ रहे हैं जिससे मलेरिया पीलिया डेंगू जैसे महामारी फैलने की आशंका बढ़ रही है। इस स्थिति की निगम के अधिकारियों को जानकारी देने के पश्चात भी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। गली-गली में निवास करने वाली जनता अस्त हो चुकी है गलियों में न लाइट जलते हैं और ना ही उसमें लगे कैमरे काम करते हैं उद्योगों में महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

मुख्यमंत्री की घोषणाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश

कोण्डगांव। जिले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की गयी घोषणाओं का क्रियान्वयन तत्परता के साथ सुनिश्चित किया जाये, इस दिशा में संबंधित विभागों द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता देकर घोषणाओं का क्रियान्वयन किया जाये।



वहीं शासन के मंशानुसार जिले में निवासस्थ विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के शिक्षित युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति देने के लिए अतिशीघ्र सर्वेक्षण कर प्रक्रिया पूर्ण किया जाये। उक्त निर्देश कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने कलेक्टर में आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं के क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा करते हुए स्वामी आत्मानंद उल्क्रे अंग्रेजी माध्यम स्कूल, महाविद्यालय खोलने, सहाकारी बैंक प्रारंभ करने इत्यादि के लिए अतिशीघ्र प्रक्रिया पूर्ण करने सहित आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही मिनो स्टेडियम,

सामुदायिक भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए कार्यवाही पूर्ण किये जाने कहा। उन्होंने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति शीघ्र किये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सोनी ने राज्य शासन के मंशानुसार विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के शिक्षित युवाओं को पात्रता के आधार पर तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सीधी नियुक्ति देने के लिए कोण्डगांव जिले में निवासस्थ कमार जनजाति वर्ग के परिवारों का सर्वेक्षण करने कहा और संबंधित परिवारों के शिक्षित युवाओं को नियुक्ति देने शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये।

चोरी के आरोपी को कांडगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से चोरी के बर्तन एवं नगदी रकम को किया गया बरामद।

कोण्डगांव। पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग पटेल (भा.व.से.) के आदेश से एवं एडिशनल एसपी श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन व एसडीओपी कोण्डगांव श्री निमितेश सिंह परिहार के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 19.07.2022 को चोरी के आरोपी दिनुदास बैरागी निवासी कोण्डगांव को कोण्डगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल। कोण्डगांव निवासी प्रार्थी प्रमोद मिश्रा दिनांक 14/07/2022 को अपने काम से घर में ताला लगाकर तहसील कार्यालय कोण्डगांव गया था। अपने काम के बाद 03.00 बजे दिन में वापस घर आया तो देखा कि उसके घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ था, घर अंदर जाकर देखा तो घर में रखे बर्तन



कबाई, मिक्सी का मोटर, एल्युमिनियम का गंजी, एक नग स्टील का थाली, तीन नग स्टील का छोटा बड़ा प्लेट, एक नग स्टील का जग, इलेक्ट्रॉनिक आयरन तथा आलमारी में रखे नगदी रकम 55000/रूपये को कोई अज्ञात

चोर चोरी कर ले गया था। प्रार्थी के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध थाना कोण्डगांव में अप्रक्र-272/2022 धारा 454,380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान मुखबरी सूचना पर संदेही दीनुदास को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो चोरी करना कबूल किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी की संपत्ति एक पुरानी कबाई, मिक्सी का मोटर, 02 नग एल्युमिनियम का गंजी, एक नग स्टील का थाली, तीन नग स्टील का छोटा बड़ा प्लेट, एक नग स्टील का जग, इलेक्ट्रॉनिक आयरन तथा चोरी के नगदी रकम 2000/रूपये को आरोपी द्वारा पेश करने पर जप्त किया गया।

हर घर हरियाली अंतर्गत नालंदा परिसर में वृक्षारोपण

रायपुर। हर घर हरियाली अंतर्गत ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर एवं नालंदा परिसर मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर के संयोजन में नालंदा परिसर में 100 पेड़ लगाए गए जिसमें पीपल, नीम, बरगद, मुनगा, आम, जामुन, पपीता, अर्जुन, नींबू, आंवला, कटहल, सहित अनेकों प्रजाति के औषधीय एवं ऑक्सिजन युक्त पौधे रोपित किए गए।



इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल कलेक्टर श्री शिवकुमार साहू जी विशिष्ट अतिथि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर

दिनेश मिश्रा जी, एडिशनल डायरेक्टर एवं जिला रोजगार कार्यालय अधिकारी नालंदा परिसर श्री केदार पटेल जी, ग्रीन आर्मी के संस्थापक श्री अमिताभ दुबे, मोहन वर्ल्थानी, अध्यक्ष कविता कुंभज, गुरदीप टुटेजा, केके वर्मा, दिलीप तिवारी, सुनील नायक, राम तिवारी, भारतीय श्रौवास्त्र, मोनिका बागरेचा, भारतीय अग्रवाल, दुर्गा जैन, सरिता बघेल, अश्व कश्यप, गायत्री चित्रकार भोजराज धनगर, राहुल कुंभज, नितिन झा, एएम भंडारी, सौभ बख्शी, विनीत दुबे, श्रेया

चंद्राकर की गरिमामय उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम में एडिशनल कलेक्टर श्री शिव कुमार साहू ने कहा कि प्रशासन के द्वारा आम जनता को पेड़ लगाने एवं उनके महत्व के लिए हर घर हरियाली योजना अंतर्गत निशुल्क पेड़ वितरण किया जा रहा है ज्यदा से ज्यदा लोग इसका लाभ उठाएं जहां पर भी सुरक्षित स्थान मिले हों वृक्षारोपण करना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्रा जी ने कहा कि हमको रोना काल

में ऑक्सिजन की कमी की भयावह को देखे हैं इसलिए ज्यदा से ज्यदा ऑक्सिजन एवं औषधि युक्त पेड़ लगाने चाहिए। श्री केदार पटेल जी ने कहा कि हम नालंदा परिसर में पूर्ण रूप से सुरक्षित स्थानों पर सभी तरह के वृक्षारोपण कर रहे हैं जिसमें ग्रीन आर्मी का प्रतिवर्ष हमें सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रीन आर्मी के संस्थापक अमिताभ दुबे ने कहा कि स्कूल कॉलेज मंदिर मस्जिद गिरजाघर गुरुद्वारा गार्डन जहां पर भी खाली जगह है जहां सुरक्षा का इंतजाम है वहां हमें ज्यदा से ज्यदा पेड़ लगाना चाहिए। इस अवसर पर ग्रीन विंग चेयरमैन श्री मोहन वर्ल्थानी ने कहा कि शासन एवं कलेक्टर के द्वारा हर घर हरियाली अंतर्गत पेड़ों का वितरण किया जा रहा है हमें हर घर पेड़ बांटकर पेड़ लगाने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन वाइड विंग चेयरमैन श्री गुरदीप टुटेजा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने किया।

अभिनेता अखिलेश पांडे को आईजी रतनलाल डांगी के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

बिलासपुर। बिलासपुर रेंज के आईजी रतनलाल डांगी के द्वारा अभिनेता अखिलेश पांडे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह प्रशस्ति पत्र अखिलेश को उनके विशेष कार्यों के लिए दिया गया है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि उन्होंने 12 घंटे में 63 लोगों का इंटरव्यू कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके अलावा वह छत्तीसगढ़ के इकलौते ऐसे हीरो हैं। जिन्होंने चार बॉलीवुड फिल्मों में बतौर हीरो भूमिका निभाई है। उनकी शॉर्ट फिल्म द लेंस ने 32 इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ऑफिशियल सिलेक्शन पाया है इसके अलावा इस शॉर्ट फिल्म में अमेरिका टर्की रोम मुंबई पुणे हैदराबाद के फिल्म फेस्टिवल्स में अवार्ड भी जीता है। इस संदर्भ में जब हमने अभिनेता अखिलेश पांडे से बात की तब



उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि बिलासपुर रेंज के आईजी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर रहे हैं और वह सदैव ही ऐसे कार्य करते रहेंगे जिससे कि उनके शहर राज्य व देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन होता रहे।

भविष्य की योजनाओं को लेकर भी अखिलेश ने बताया कि उनकी कुछ बड़ी योजनाएं हैं। जिसे की धरतल पर उतारना है और उसके लिए वह सतत प्रयासरत हैं और बहुत ही जल्द लोगों को कुछ नई चीजें देखने को मिल सकती हैं।

छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता की नजर 2023 में भाजपा पर टिकी हुई है - शिव वर्मा

कांग्रेस की कथनी और करनी को जनता देगी मुंहतोड़ जवाब

राजनांदगांव। नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष व पार्षद दल के प्रवक्ता शिव वर्मा ने कि छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता के नजर 2023 में भाजपा पर टिकी हुई है। प्रदेश की भोली-भाली जनता 2023 का चुनाव का इंतजार कर रहे हैं तथा दिन गिन रहे हैं।



ऐसे बेईमान भ्रष्टाचार इस प्रदेश में बैठी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता कमार कस ली है। श्री वर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए लोक लुभावन

जन घोषणा पत्र तैयार कर गंगाजल को हाथ में लेकर 36 बिंदु जिसके अंतर्गत पिछले चुनाव के पहले अलग-अलग लोगों के द्वारा अपनी अपनी मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने वाले, निराश्रित पेंशन लेने वाले, महिला समूह, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, शराब बंद ऐसे सभी मुद्दा को समाहित

कर जन घोषणा पत्र तैयार किया गया जिसके तहत हर वर्ग विशेष घोषणा पत्र से प्रवाहित होकर कांग्रेस की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही घोषणा पत्र में किए गए वालों से मुकर गए और जनता से किए गए वादे भूल गए। आज पूरे प्रदेश की माली हालत के लिए प्रदेश में बैठी कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। गड़बो नवा छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए सपना बनकर रह गया। कांग्रेस की सभी योजनाएं असफल साबित हो रहे हैं। पूर्व में भाजपा सरकार द्वारा चलाए गए सभी योजनाओं को बंद कर दिया है। प्रदेश में सड़क जो सरकार के द्वारा बनाई गई थी उसका रिपेयरिंग कराने की क्षमता इस सरकार के पास नहीं है।

देश की जनता फिर से भाजपा सरकार की ओर नजर टिकाए हुए हैं। आज छत्तीसगढ़ में किसी भी वर्ग इस सरकार से खुश नहीं है। हर वर्ग फिर वहीं भाजपा सरकार की ओर नजर लगाए हुए हैं।

2023 का चुनाव छत्तीसगढ़ की जनता की तस्वीर और तकदीर बदलने का होगा

वर्मा ने कहा कि 2023 का चुनाव छत्तीसगढ़ की जनता की तस्वीर और तकदीर बदलने का होगा छत्तीसगढ़ को फिर से विकसित राज्य की श्रेणी में भारत के नक्शे पर दिखेगा। प्रदेश सरकार के पास सिर्फ नारा है काम कौड़ी का नहीं। कैसे गड़बो नवा छत्तीसगढ़।

सी.आई.टी. कालेज बाईपास रोड के पास चौक निर्माण करने अभिमत के लिये आयुक्त ने लिखा राष्ट्रीय राजमार्ग को पत्र



राजनांदगांव। नगर निगम सीमा प्रारंभ होते ही राजनांदगांव से सी.आई.टी. कालेज की ओर बाईपास रोड जुड़ता है जहां पर आये दिन दुर्घटना घटित होती है। जिसके कारण कानून व्यवस्था एवं जनाक्रोश की स्थिति निर्मित होती है। जिसे देखते हुये राजनांदगांव प्रवास के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री अमरजीत सिंह भगत जी ने उक्त स्थल पर चौक निर्माण किये जाने के निर्देश दिये थे।

नगर निगम सीमा प्रारंभ होते ही राजनांदगांव से सी.आई.टी. कालेज की ओर बाईपास रोड जुड़ता है जहां पर आये दिन दुर्घटना घटित होती है। जिसके कारण कानून व्यवस्था एवं जनाक्रोश की स्थिति निर्मित होती है। जिसे देखते हुये राजनांदगांव प्रवास के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री अमरजीत सिंह भगत जी ने उक्त स्थल पर चौक निर्माण किये जाने के निर्देश दिये थे।

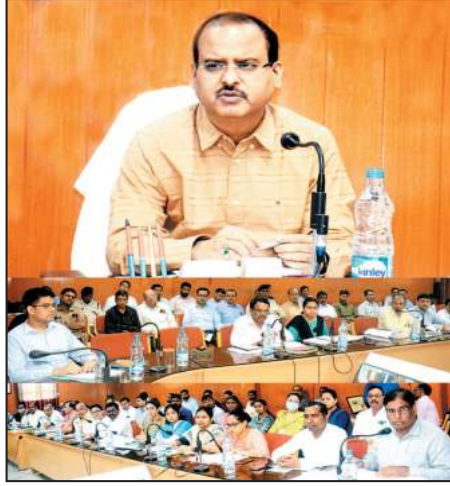
खुद को सुधारिये और समय पर दफ्तर आइये लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी-तारण प्रकाश सिन्हा

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-जांजगीर ।

कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा ने समय-सीमा की बैठक लेते हुए एक बार फिर जिले के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि आप जिले के जिम्मेदार अधिकारी हैं। आप समय पर दफ्तर आइये और कार्यों की समीक्षा करेंगे, फील्ड पर दौरा करेंगे। आपके अधीनस्थ के कार्यों को देखेंगे तो निश्चित ही आपके विभागों के कार्यों में प्रगति आएगी। आप यदि स्वयं समय पर नहीं पहुंचेंगे और देरी से आकर जल्दी चले जायेंगे तो कोई भी योजना समय पर क्रियान्वयन नहीं हो पाएगी। आपके विभागों के कार्य हमेशा लंबित रहेंगे। शासन की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को नहीं मिल पाएगा। आप सभी खुद को सुधारिये और समय पर कार्यालय आकर कार्य करिए। कार्यों में लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अभी समय है। इसके बाद सीधे कार्यवाही की जाएगी। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर सिन्हा ने विभागीय कामकाजों की समीक्षा

की। उन्होंने स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की विभागावार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से आपस में समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसील भवन शिवरीनारायण और बहमनीडीह हेतु स्थल चयन करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए सुपोषण मिशन अभियान चलाते हुए सुपोषित बनाने, गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच कराने, वृक्षारोपण अभियान को प्रोत्साहित करने, राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत लक्ष्य पूरा करने, राजीव गांधी युवा मितान क्लब योजना में प्रगति लाने, फसल बीमा कराने, स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्रों के कार्यों को शीघ्रता से करने पटवारियों की ड्यूटी लगाने और अगस्त में वितरण प्रारंभ करने, लोक निर्माण विभाग को खराब सड़कों को मरम्मत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में खाद की काला बाजारी रोकने छापाकारी का



अभियान जारी रखने नये बेजा कब्जा न हो इसके लिए कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने श्रम विभाग को असंगठित महिलाओं के कार्ड बनाने, महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी केंद्रों में गैस कनेक्शन देने, सीएमओ को क्षेत्र में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा सभी विभागों को पेंशन से

संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए कोषालय में आयोजित शिबिर का लाभ उठाने के निर्देश दिए।

बड़े गांवों में टीकाकरण के लिए कैम्प लगाएं

कलेक्टर ने कोरोना से बचाव के लिए सावधानियां बताने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में दूसरे

डोज नहीं लगाने वाले लोगों की पहचान कर अभियान चलाकर दूसरे डोज के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बूस्टर डोज लगाने के साथ कोरोना बचाव प्रबंधन हेतु अलर्ट रहने और बड़े गांवों में शिबिर लगाकर टीकाकरण करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होंने सभी एसडीएम और सीडीओ जनपद को भी टीकाकरण अभियान में शामिल होते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए मुनादी कराने के निर्देश दिए।

सांसद विधायक मद के कार्यों को लंबित न रखें

कलेक्टर सिन्हा ने जिले में सांसद विधायक मद और अन्य प्राथिकरण से स्वीकृत विकास कार्यों को लंबित नहीं रखने के निर्देश देते हुए सभी जनपद सीडीओ को समीक्षा करने और लंबित कार्यों में प्रगति लाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने इसके लिए शीघ्र ही निर्माण एजेंसियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की बात कही।

हरेली के दिन गोड़ी प्रतियोगिता का होगा

आयोजन

हरेली के दिन सभी गोठानों सहित स्कूलों में छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्व को यादगार बनाने में गोड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने भी हरेली पर्व के लिए विशेष आयोजन के निर्देश दिए।

गोधन न्याय योजना की हुई समीक्षा

कलेक्टर श्री सिन्हा ने गोधन न्याय योजना की समीक्षा की। उन्होंने सभी गोठानों में गोबर खरीदी करने, खाद का उठाव करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गोठानों में मछली पालन, मुर्गी पालन, मशरूम, बतख, बाड़ी जैसी गतिविधियां संचालित करने के निर्देश देते देते हुए नये एक्टिव किए जाने वाले गोठान का डेटा भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद क्षेत्रों में रोकना.छेका अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हरेली पर्व पर 28 जुलाई को कार्यक्रम का आयोजन कर ग.मूत्र की खरीदी करने तथा चारागाह लगाने का कार्य सभी पूर्व स्वीकृत चारागाह में करने के संबंध में निर्देश दिए।

यू. सी . किंडीज कर रहा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंडियास वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड की तैयारी

रायपुर। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में हर बच्चे का समग्र विकास की जरूरत है। उसे पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में अपने टैलेंट को दिखाने का मंच मिलना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए गोपुर कॉलोनी स्थित यू. सी . किंडीज में बच्चों को ना सिर्फ पढ़ाई में बल्कि अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यू. सी . किंडीज की डायरेक्टर मीता बाफना ने बताया कि हम बच्चों के हुनर और रुचि को देखते हुए उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देते हुए उनको आगे बढ़ने में सहयोग करते हैं। इसके लिए समय-समय पर विभिन्न एक्टिविटी और कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जाता है जिससे की उनके टैलेंट को पहचाना जा सके। बच्चों के टैलेंट को पहचान कर उन्हें उस फील्ड में आगे बढ़ने में मदद की जा सके। डायरेक्टर मीता बाफना ने बताया कि अलग अलग गतिविधियों में एक्टिव बच्चों की क्षमता को पहचान कर उनके टैलेंट को निखारने का प्रयास कर



रहे हैं। इसके साथ ही हम अपने प्रतिभाशाली बच्चों को मदद से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंडियास वर्ल्ड बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने की तैयारी कर रहे हैं।

डायरेक्टर मीता बाफना ने बताया कि हम स्टूडेंट्स को हर दिन मेडिटेशन, योग, भारतीय संस्कृति के श्लोक आदि के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के बारे में भी विस्तार से जानकारी देते हैं। जिससे कि बच्चे हमारी संस्कृति और सभ्यता के महत्व को समझें और और हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपना सकें। इसके साथ ही बच्चों को सनातन धर्म की शिक्षा भी दी जाती है जिससे उन्हें धार्मिक चीजों का ज्ञान तो होता ही है इसके साथ उनके अंदर नैतिक शिक्षा भी मिलती है। हम अपने स्कूल को नालंदा विद्यापीठ की तरह आगे बढ़ा रहे हैं।

बॉयफ्रेंड गाली देता था, इसलिए मार दिया, विधवा महिला से था अवैध संबंध

उसी ने पूर्व प्रेमी के साथ मिलकर सबल से किए वार; दोनों गिरफ्तार

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में कुछ दिन पहले हुई युवक की हत्या का राज खुल गया है। युवक की हत्या उसकी प्रेमिका ने ही की थी। युवक का गांव ही एक विधवा महिला से अवैध संबंध था। बताया गया कि युवक महिला को बार-बार मिलने के लिए कहता था। गाली भी देता था, जिसकी वजह से महिला ने अपने पूर्व प्रेमी के साथ मिलकर युवक की हत्या का प्लान बनाया और सबल से कई वार कर उसकी हत्या कर दी। मामला लालबाग थाना क्षेत्र का है।

14 जुलाई की रात को बागवत और लिटिया गांव के बीच एक युवक की लाश मिली थी। रात के वक लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी थी। खबर मिलने पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची थी। फिर मामले में



जांच शुरू की गई थी। पुलिस को जांच में पता चला कि युवक लिटिया गांव का रहने वाला था। उसका नाम हिरावन मंडले (31) है। पीएम रिपोर्ट में भी इस बात का पता चला था कि युवक की हत्या ही की गई है।

पुलिस ने इस मामले में और जांच की तो पता चला कि हिरावन का गांव की ही मोमिन वर्मा से प्रेम संबंध था। मोमिन विधवा है। ये पता चलने के बाद पुलिस में

मोमिन को हिरासन में लिया था। पूछताछ में ही उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि उसने किसी तरह से इस वारदात को अंजाम दिया था। ये भी पता चला कि अवैध संबंध के चलते युवक की पत्नी भी उससे झगड़ा करती थी।

आरोपी महिला ने बताया कि हिरावन बार-बार उसे मिलने के लिए कहा करता था। गाली-गलौज भी काफी करता था। जिसकी वजह से मैं परेशान थी। इस वजह से मैंने अपने पूर्व प्रेमी टिकेश्वर वर्मा(37) से संपर्क किया था। टिकेश्वर कॉलिहापुरी गांव का रहने वाला है। मोमिन ने बताया कि मैंने टिकेश्वर से मिलकर ही हिरावन को मारने का प्लान बना लिया था। मोमिन के इस बयान के बाद टिकेश्वर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

खुद को सुधारिये और समय पर दफ्तर आइये, लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी - प्रकाश सिन्हा



जांजगीर-चाम्पा । कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा ने समय-सीमा की बैठक लेते हुए एक बार फिर जिले के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि आप जिले के जिम्मेदार अधिकारी हैं। आप समय पर दफ्तर आइये और कार्यों की समीक्षा करेंगे, फील्ड पर दौरा करेंगे। आपके अधीनस्थ के कार्यों को देखेंगे तो निश्चित ही आपके विभागों के कार्यों में प्रगति आएगी। आप यदि स्वयं समय पर नहीं पहुंचेंगे और देरी से आकर जल्दी चले जायेंगे तो कोई भी योजना समय पर क्रियान्वयन नहीं हो पाएगी। आपके विभागों के कार्य हमेशा लंबित रहेंगे। शासन की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों को नहीं मिल पाएगा। आप सभी खुद को सुधारिये और समय पर कार्यालय आकर कार्य

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में दिए निर्देश

करिए। कार्यों में लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। अभी समय है। इसके बाद सीधे कार्यवाही की जाएगी। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री सिन्हा ने विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। उन्होंने स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की विभागावार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से आपस में समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसील भवन शिवरीनारायण और बहमनीडीह हेतु स्थल चयन करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले

के सभी गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए सुपोषण मिशन अभियान चलाते हुए सुपोषित बनाने, गर्भवती महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच कराने, वृक्षारोपण अभियान को प्रोत्साहित करने, राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत लक्ष्य पूरा करने, राजीव गांधी युवा मितान क्लब योजना में प्रगति लाने, फसल बीमा कराने, स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्रों के कार्यों को शीघ्रता से करने पटवारियों की ड्यूटी लगाने और अगस्त में वितरण प्रारंभ करने, लोक निर्माण विभाग को खराब सड़कों को मरम्मत करने के निर्देश दिए।

बच्चों की भाषाई एवं गणितीय दक्षता विकास हेतु विकासखंड स्तरीय ईजीएल प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

रायगढ़, खरसिया व तमनार विकासखंड के 525 विद्यालयों के कक्षा पहली और दूसरी के नौनिहालों को मिलेगा इसका सीधा लाभ

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़ ।

जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चल रहे अर्ली ग्रेड लिटरेसी का पहला फेज समाप्त होने के बाद दूसरा फेज प्रारंभ हो चुका है। इसी तारतम्य में अर्ली ग्रेड लिटरेसी (ईजीएल) प्रशिक्षण के विकासखंड स्तरीय चरण का आज शुभारंभ हुआ। विदित हो कि जिले के तीन विकासखंड रायगढ़, खरसिया एवं तमनार में कक्षा पहली एवं दूसरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भाषायी एवं गणितीय दक्षता उन्नत करने के लिए जिला प्रशासन, यूनिसेफ एवं रूम टू रीड के सहयोग से संचालित यह विकासखंड स्तरीय तीन दिवसीय ईजीएल प्रशिक्षण 19 जुलाई से 21 जुलाई 2022 तक चलेगा। उक्त विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्राथमिक शाला के शिक्षकों को कक्षा पहली, दूसरी में अध्ययन करने



वाले बच्चों के भाषायी दक्षता विकसित करने, भाषा से संबंधित वर्णों को पहचानने, वर्णों को जोड़कर शब्द बनाने एवं शब्द का अर्थ समझने की प्रक्रिया को बढ़ा ही सरल तरीके से बताया जा रहा है तथा गणितीय दक्षता विकसित करने हेतु अंकों की पहचान कर उनके व्यवहारिक उपयोग करने के सरल तरीकों को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उक्त विकासखंड स्तरीय तीन दिवसीय

प्रशिक्षण के लिए रायगढ़ विकासखंड में 5 प्रशिक्षण केन्द्र, खरसिया में 4 तथा तमनार विकास खंड में 3 प्रशिक्षण केन्द्र बनाए गए

हैं। जहाँ मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्राथमिक शाला के ईजीएल प्रभारी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विदित हो कि विकासखंड स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात जब शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में पहुंचेंगे तो इन तीनों विकास खंडों के लगभग 525 विद्यालयों के कक्षा पहली एवं दूसरी में पढ़ने वाले नौनिहालों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। विगत दिनों शासकीय नटवर उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में यूनिसेफ एवं रूम टू रीड के राज्य प्रशिक्षक एवं तीनों विकासखंड के चयनित मास्टर ट्रेनर्स को इस हेतु पूर्व में प्रशिक्षण दिया गया था जिसमें डीईओ एवं डीएससी तथा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं जिले के सभी विकासखंड स्तरीय समन्वयक एवं सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित हुए थे।

एक नजर

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से बेटियों की पढ़ाई की राह हुई आसान

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़ ।

शासन द्वारा श्रमिक वर्ग के लाभ के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिसमें से एक मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना है। योजना-तर्गत आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक वर्ग, जिनकी बेटियां 18 वर्ष से 21वर्ष एवं 10 वीं पास हो चुकी है, उन बेटियों के लिए यह योजना कॉलेज की पढ़ाई के राह आसान कर रही है, इसके अलावा इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग बेटियों के पढ़ाई के साथ रोजगार एवं विवाह आदि में उपयोग किया जा सकता है। योजना-तर्गत श्रमिक परिवार की दो बेटियों को योजना का लाभ मिलेगा। शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के उत्थान हेतु विशेष सहायता प्रदान कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता व सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराकर उन्हें बेहतर जीवन प्रदान कर रही है। इसी क्रम में शासन द्वारा श्रमिकों की बेटियों की भविष्य को देखते हुए पढ़ाई या स्वरोजगार को आर्थिक मदद के लिए प्रारंभ मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना ने आज जिले की कई बेटियां कॉलेज की पढ़ाई कर रही है। उनके परिवारों का कहना है इन पैसे से उनकी बेटियों को पढ़ाई में मदद मिल रही है। आज रायगढ़ जिले में कुल 86 बेटियों को 17 लाख 20 हजार की सहायता राशि बेटियों को वितरित की गई है। सारांश के ग्राम चिखली निवासी हरिराम पटेल कहते हैं कि मेरी पुत्री रजनी पटेल कक्षा 12 उत्तीर्ण हो चुकी है। योजना-तर्गत आवेदन करने के पश्चात उनके खाते में राशि आ चुकी है। शासन द्वारा प्राप्त राशि से अब आगे की पढ़ाई में आसानी होगी। शासन की मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना बेटियों के लिए बरदान है। गीता बाई चौहान कहती हैं कि मेरी पुत्री कॉलेज प्रारंभ कर चुकी है। उसे हम अपने पैसे से पढ़ा रहे हैं। शासन से मिली राशि को संचय करके रखे हैं, जिसका उपयोग उसकी शादी के लिए करेंगे।

जिले में आए इतने आवेदन

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना योजना-तर्गत जिले भर से लगभग 720 आवेदन प्राप्त हुए। जिनका वेरीफाई किया जा रहा है। वेरीफिकेशन के पश्चात पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जायेगा।

आवश्यक दस्तावेज एवं अहर्ता

योजना के लिए हितग्राही को उम्र 18 से 21 व अविवाहित, लेबर कार्ड नहीं होनी चाहिए, जन्म-प्रमाण पत्र, 10वीं पास एवं, मार्कशीट, आधार कार्ड, पास बुक, माता-पिता का पंजीयन कार्ड एवं घोषणा पत्र जैसे दस्तावेज की आवश्यकता होती है। यह पूर्ण रूप से ऑनलाइन प्रक्रिया है।

विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों का खेल प्रतियोगिता

गरियाबंद । विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त 2022 के अवसर को ध्यान में रखते हुये विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिये पारम्परिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। परियोजना अधिकारी बी.के.सुखदेवे ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न जनजातीय समुदाय तथा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समुदाय द्वारा पारम्परिक रूप से खेले जाने वाले खेल जैसे-तीरंदाजी, गुलेल, मटका दौड़, गिळी डंडा, गोड़ी दौड़, धीरा, फुगड़ी (बालिका वर्ग), विष्ठा (बालिका वर्ग), कबड्डी, रस्सीखीच, सचुल (पिटुल), भारा दौड़, बोरा दौड़, सुई धागा दौड़, (बालिका वर्ग), मुदी लुकावन (गोटी लुकावन), तीन टंगड़ी दौड़ तथा नौकायन (वयस्क वर्ग हेतु) आदि का आयोजन किया जाएगा। शालेय प्रतियोगिता अंतर्गत बालक एवं बालिकाओं हेतु तीन वर्ग 6 वर्ष से 10 वर्ष तक, 10वर्ष से 14 वर्ष तक एवं 14 वर्ष से 18 आयु वर्ग एवं खुली प्रतियोगिता अंतर्गत 18 वर्ष एवं अधिक की महिला एवं पुरुष हेतु पारम्परिक रूप से खेले जाने वाले खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जावेंगी।

मुरमुरा में घरों के अंदर घुस रहे मालू

गरियाबंद । वन परिक्षेत्र पाण्डुका के अंतर्गत ग्राम मुरमुरा में बीती रात मालू गांव में घर के अन्दर प्रवेश रहे हैं। मालू लगातार रिहायसी इलाकों में प्रवेश कर रहे हैं। वही बीती रात जंगल से होकर गांव में दस्तक दे रहे हैं जहां ग्रामीणों में दहशत का माहौल गरमाया हुआ है। वही ग्राम मुरमुरा के रामदयाल यादव व नेहरू ध्वज के यहाँ बीती रात घर के अंदर में घुस गया था परन्तु उसी दरमियान घर के बाकी सदस्य कहीं बाहर चला गया था व उस घर में कोई नहीं था घर में लगे टीने एवं लकड़ी नुमा दरवाजे खरपा को हटा कर घुस गया था लिलाजा उस वक्त घर में कोई नहीं था। वही मुरमुरा के नेहरू ध्वज के यहाँ मिट्टी से बने घर जहां अपने पशुओं को रखते हैं वहां घुसा था व मिट्टी से बने मकान के बाहर जगह जगह मिट्टी को खोद दिए हैं।

घरघोड़ा में श्रीमद्भागवाद् महापुराण का प्रथम दिवस एवं कलश यात्रा में उमड़ी लोगों की भीड़

जोहार छत्तीसगढ़- घरघोड़ा।

घरघोड़ा के पूर्व अध्यक्ष आशा शिव शर्मा के पूर्वजों के मोक्षार्थ, संगीतमयी श्रीमद्भागवाद् का भव्य आयोजन कराया जा रहा है। व्यास पीठ पर कथावाचक श्रीधाम वृन्दावन से आचार्य मृदुल कांत शारत्री के मुखारविंद से भक्ति की लहर पूरी नगर में बह रही है।



शर्मा परिवार के घर के पास व माता मंदिर प्रांगण से कलश शोभा यात्रा प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं की कतार लग गई। इस भव्य शोभायात्रा से पूरी घरघोड़ा नगर भक्तिमय हो गया ऐसा लग रहा था कि मानो राधे कृष्ण की कृपा घरघोड़ा नगरी में बरस रही हो। शर्मा परिवार की बड़प्पन है कि अपने निजी आयोजन को सम्पूर्ण नगर की सार्वजनिक आयोजन



जैसा हर किसी को भागीदार बना कर पूरे शहर को गौरवित कर दिए। चाहे व्यास पीठ को एक-एक कर हर किसी श्रद्धालुओं को अपने सर पर रखने का अवसर प्रदान किये या पूजन व आरती में बराबर सभी को मौका प्रदान कर अपने बड़प्पन साबित कर दिए। कथा सुनने के साथ-साथ गृहणियों को घर में खाना बनाने की चिंता न

हो इसके लिए हर किसी के लिए पवित्र भंडारे भी चलाया जा रहा है। जिससे सभी भक्तगण कथा सुनकर भोजन करके घर जायेंगे और घर में भोजन बनाने की चिंता न हो। नगर वासियों में शर्मा परिवार के इस आयोजन के लिए हर किसी के मुंह से केवल प्रशंसा ही निकल रही है और सभी उनको धन्यवाद दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बोवनी पिछड़ी, अब तक 26.2 लाख हेक्टेयर में ही हो पाई खरीफ की बुवाई

पिछले साल 29.24 लाख हेक्टेयर बोया जा चुका था

रायपुर। देर से बरसात शुरू होने की वजह से छत्तीसगढ़ में खरीफ के फसलों की बोवनी पिछड़ गई है। प्रदेश में अभी तक 26 लाख दो हजार हेक्टेयर खेतों में ही फसल बोई जा सकी है। यह कुल रकबे का कुल 54.8 ही है। यह इसलिए भी पिछड़ा दिख रहा है कि पिछले साल इसी समय तक 29 लाख 24 हजार हेक्टेयर खेत में फसल बोई जा चुकी थी।



है। इसमें सर्वाधिक 21 लाख 87 हजार हेक्टेयर में धान की बोवनी हुई है। इसके 1 लाख 61 हजार हेक्टेयर में मोटा अनाज, 1 लाख 5 हजार हेक्टेयर में दलहन, 74 हजार हेक्टेयर में तिलहन और 76 हजार हेक्टेयर में सब्जी एवं अन्य

फसलों की बुवाई हो पाई है। मक्का की 3 लाख 14 हजार हेक्टेयर में तथा अन्य फसलों की 1 लाख 46 हजार हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। दलहन फसलों के अंतर्गत 70 हजार हेक्टेयर में अरहर, 29 हजार हेक्टेयर में उड़द तथा 5 हजार हेक्टेयर में दूसरी दलहनी फसले लगाई जा चुकी हैं। इसी तरह 36 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन, 32 हजार हेक्टेयर में मूंगफली तथा 5 हजार हेक्टेयर में अन्य तिलहनी फसलों को बोया गया है।

जोहार छत्तीसगढ़- धरमजयगढ़।

मोटरसाइकिल के अनियंत्रित हो जाने से युवक गिरकर जखमी हो गया। जिसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में भर्ती कराया गया। जिसके हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जिला चिकित्सालय रायगढ़ रिफर कर दिया है। घटना धरमजयगढ़ थाना के बिहारी ढाबा के पास हुई है। जहां हेमसागर बेहरा पिता



कार्तिकेश्वर बेहरा उम्र 32 वर्ष

निवासी नवागांव मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने 112 में डायल कर घटना की जानकारी दी। घायल युवक को 112 के मदद से सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। वहीं घटना की जानकारी घायल के परिजनों को भी दी गई। युवक के हालत को देखते हुए प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टर ने जिला चिकित्सालय रायगढ़ रिफर कर दिया।

भाजयुमो ने लगाया बेरोजगारी टेंट- चौपाल

सूरजपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा लटोरी मंडल द्वारा भूपेश सरकार के खिलाफ बेरोजगारी टेंट-चौपाल लगाकर कार्यक्रम किया गया। लटोरी मंडल में भाजयुमो द्वारा बस स्टैंड प्रतीक्षालय के समीप टेंट लगाकर बेरोजगारी टेंट चौपाल कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी फॉर्म भी भराया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती ने संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाकामयावों को सबके बीच रखा और कहा चुनावी घोषणा पत्र में जिस प्रकार से कांग्रेस ने कहा था कि युवाओं को 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे और छत्तीसगढ़ की किसी भी युवा को बेरोजगारी भत्ता और रोजगार मुहैया नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल यह कहते फिर रहे हैं कि प्रत्येक विधानसभा में हमने 20000 युवाओं को रोजगार दिया है और प्रदेश में

बेरोजगारी दर 0.6 प्रतिशत है, इस प्रकार का छलावा करते हुए छत्तीसगढ़ के युवा और जनता को ठगने का काम कर रहे हैं। साथ ही इस शासनकाल में किसान वर्ग, महिला वर्ग, कर्मचारी वर्ग, युवा वर्ग सभी परेशान हैं हम सबको संकल्प लेते हुए वर्ष 2023 में राष्ट्रीय विचारधारा की पार्टी और विकास की पार्टी भारतीय जनता पार्टी को लाना है और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाना है। जिले भर में हर जगह चौक चौराहे हाट बाजार कॉलेज तहसील सभी जगह भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ बेरोजगारी टेंट लगाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष गुप्ता, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुरेश सोनी, जिला प्रदाधिकारी दीपेंद्र दुबे, भाजयुमो उपाध्यक्ष हरिनन्दन राजवाड़े, भाजयुमो मंडल महामंत्री जीतू मानिकपुरी ने भी संबोधित किया।

भगवान भोलेनाथ को समर्पित है श्रावण मास-अरविन्द तिवारी

जोहार छत्तीसगढ़- जांजगीरचांपा।

सनातन धर्म में सावन का महीना और सोमवार का दिन दोनों ही भगवान भोलेनाथ की पूजा को समर्पित है। इसलिये पूरे महीने शिवभक्त श्रद्धा और भक्ति से शिवजी की पूजा आराधना करते हैं। इस वर्ष सावन का पवित्र महीना 14 जुलाई गुरुवार से शुरू हो चुका है जो 12 अगस्त शुक्रवार तक रहेगा। इस बार सावन में तीन बार रवि योग रहेगा और और बाकी चार योग अलग-अलग दिन पर पड़ रहे हैं। पहला सोमवार 18 जुलाई को है और इस दिन शोभन और रवि योग रहेगा सावन का दूसरा सोमवार 25 जुलाई को है और इस दिन प्रदोष व्रत के साथ सर्वाथ सिद्धि योग रहेगा। सावन का तीसरा सोमवार 1 अगस्त को है और इस दिन प्रजापति और रवि योग बनेगा। वहीं 08 अगस्त यानि



चौथे सोमवार को पुनः एकादशी रहेगी। सावन में ये सभी शुभ मुहूर्त भगवान शिव की पूजा के लिये बहुत ही शुभ हैं। श्रावण मास में श्रवण नक्षत्र अति शुभ फल देने वाला होता है। श्रावण मास में खान,पान को लेकर कुछ विशेष बातें बतायी गई हैं। जिनका पालन करना चाहिये ऐसा माना जाता है

कि सावन में बैंगन ए दूध आदि का सेवन नहीं करना चाहिये। इसके साथ ही भगवान शिव की पूजा के दौरान हल्दी का भी प्रयोग नहीं करना चाहिये। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये अरविन्द तिवारी ने बताया कि हिंदू धर्म में सावन महीने का विशेष महत्व होता है ए क्योंकि यह महीना

भगवान भोलेनाथ को अत्यंत ही प्रिय होता है। भगवान शिव का महीना होने के कारण पूरे माह में शिवजी की विशेष पूजा आराधना और जलाभिषेक की जाती है। सावन में रूद्र का अभिषेक करने से सभी देवों का भी अभिषेक करने का फल उसी क्षण मिल जाता है। रुद्राभिषेक में सुष्टि की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करने की शक्ति है अतः अपनी आवश्यकता अनुसार अलग-अलग पदार्थों से अभिषेक करके प्राणी इच्छित फल प्राप्त कर सकता है। यजुर्वेद में भगवान शिव का अभिषेक करने का फल बताया गया है। गले के रस से शीघ्र विवाह एवं धन प्राप्ति शब्द कर्ममुक्ति एवं पूर्ण पति का सुख, दही से पशुधन की वृद्धि कृषा एवं जल से आरोग्य शरीर मिश्री एवं दूध से उत्तम विद्या प्राप्ति, कच्चे दूध से पुत्र सुख और गाय के भी द्वारा रुद्राभिषेक करने पर सर्वमनोकामनाएं पूर्ण होती है।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वप्नद्रष्टा स्व. डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

19 जुलाई को कांग्रेस भवन रायगढ़ में स्व. डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में महापौर जानकी काटजू व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने उपस्थित कांग्रेसियों के साथ श्रद्धा सुमन अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अनिल शुक्ला ने कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम स्वप्नद्रष्टा थे। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. बघेल एक गंभीर चिंतक, विचारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सेवक, समाज सुधारक, लेखक के साथ ही कलाकार भी रहे। उनके विषय में माननीय महापौर ने बताया कि वे जीवन भर रचनात्मक व किसान, मजदूर



हितैसी गतिविधियों से जुड़कर छत्तीसगढ़ की सेवा करते रहे। हमें उनके आदर्श को जीवन में उतारना चाहिए। आज इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा

यादव, विकास डेववार, राकेश पांडेय, शोख ताजीम, डॉ. भीमदास महंत, मनोज, विकास बोहिदार, गौतम महापात्र, अमृतलाल काटजू, संतोष यादव,

फ हद अली, रोहित महंत, आशीश शर्मा, प्रताप सिंह, संजय सिंह, सूरज उपाध्याय सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

भाजयुमो करेगी मुख्यमंत्री का घेराव 24 अगस्त को करेगी रायपुर कुच

जोहार छत्तीसगढ़- रायगढ़।

सारंगढ़ का विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अगुवाई भाजयुमो प्रदेश मंत्री व रायगढ़ जिला के प्रभारी जितेंद्र देवांगन द्वारा की गई। एक बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा युवाओं को रोजगार की जो झूठी घोषणा तथा बेरोजगारी को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया गया था किंतु आज तक न युवाओं को रोजगार दिया जा रहा न बेरोजगारी भत्ता, इस झूठे घोषणा के विरुद्ध भाजयुमो द्वारा प्रदेश स्तर पर यह बड़ा आंदोलन किया जाएगा। एक बैठक में जिला प्रभारी जितेंद्र देवांगन के अलावा मंडल प्रभारी नीतीश चौहथा जिला महामंत्री सूरज शर्मा, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, वरिष्ठ भाजपा नेता जगन्नाथ केशरवानी,



जिला पंचायत सदस्य अजय नायक, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय डनसेना व नवल किशोर कनेर भाजयुमो

जिला उपाध्यक्ष राजा गुप्ता, कुलकित चन्द्रा, मयूरेश केसरवानी, रविन्द्र पटेल, अरविंद खटकर, नयन बेहार, सूरज गुप्ता,

अजय देवांगन, संजु शर्मा, मिलन साहू, राजेश स्वर्णकार, राहुल महाजन, आशुतोष गोस्वामी, कुप चौहान, जय किशन पटेल, हितेश अजगळे, उमेश विश्वकर्मा, डोरीलाल चन्द्रा, दीपक साहू, प्रवीण दुर्गा साहू, राजेश स्वर्णकार, दिलीप साहू, अनुज जयसवाल, सूरज चन्द्र, राहुल केशरवानी, देव कुमार जाटकर, प्रमोद यादव, पंकज खुटे एवं सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

